



नेशनल बैकवर्ड क्लासेज़ फाइनेन्स एण्ड डेवलपमेण्ट कॉर्पोरेशन  
(भारत सरकार का उपक्रम, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय)

**NATIONAL BACKWARD CLASSES FINANCE & DEVELOPMENT CORPORATION**  
(A Govt. of India Undertaking, Ministry of Social Justice & Empowerment)

5th Floor, NCUI Building, 3, Siri Institutional Area, August Kranti Marg, New Delhi-110 016  
E-mail: nbcfdc@del3.vsnl.net.in, Website : www.nbcfdc.org.in



# नई आकांक्षा Nai Akanksha

शैक्षिक ऋण योजना Educational Loan Scheme

## सफलता की कहानियाँ Success Stories



नेशनल बैकवर्ड क्लासेज़ फाइनेन्स एण्ड डेवलपमेण्ट कॉर्पोरेशन  
(भारत सरकार का उपक्रम, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय)

**NATIONAL BACKWARD CLASSES FINANCE & DEVELOPMENT CORPORATION**  
(A Govt. of India Undertaking, Ministry of Social Justice & Empowerment)



## शैक्षिक ऋण योजना

### उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य पिछड़े वर्गों के पात्र व्यक्तियों को स्नातक एवं उच्चतर स्तरों पर व्यावसायिक अथवा तकनीकी शिक्षा हेतु ऋण उपलब्ध कराना है।

### पात्रता

1. भारत सरकार/राज्य सरकारों द्वारा समय-समय पर अधिसूचित पिछड़े वर्गों के सदस्य।
2. आवेदक के परिवार की वार्षिक आय दोहरी गरीबी रेखा के नीचे होनी चाहिए जैसे शहरी क्षेत्रों में ₹ 1,03,000/- वार्षिक एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ₹ 81,000/- वार्षिक।
3. आवेदक ने किसी मान्यता प्राप्त एजेंसी जैसे ए.आई.सी.टी.ई., मेडिकल काउन्सिल ऑफ इण्डिया, यू.जी.सी. इत्यादि में व्यावसायिक पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश प्राप्त किया हो।

### पाठ्यक्रम

सभी स्नातक एवं उच्चतर स्तरों के व्यावसायिक एवं तकनीकी पाठ्यक्रम जो ए.आई.सी.टी.ई., मेडिकल काउन्सिल ऑफ इण्डिया, यू.जी.सी. इत्यादि से अनुमोदित हों।

### ऋण का उद्देश्य

प्रवेश शुल्क, एवं द्युशन फीस, पुस्तकों, स्टेशनरी एवं अन्य उपकरणों की खरीद जो पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक हों, परीक्षा शुल्क, रहने एवं खाने का व्यय, ऋण अवधि में पॉलिसी का बीमा भुगतान एवं विदेश में अध्ययन हेतु यात्रा व्यय आदि।

### ऋण की अधिकतम सीमा

भारत में अध्ययन हेतु प्रति विद्यार्थी अधिकतम ऋण राशि ₹ 10 लाख की सीमा में पाठ्यक्रम व्यय का 90% अथवा ₹ 2.50 लाख प्रति वर्ष एवं विदेश में अध्ययन हेतु प्रति विद्यार्थी अधिकतम ऋण राशि ₹ 20 लाख की सीमा में पाठ्यक्रम व्यय का 85% प्रदान किया गया है। शेष राशि विद्यार्थी/राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसी द्वारा वहन की जाएगी।

### व्याज दर

एन.बी.सी.एफ.डी.सी. से एस.सी.ए. को : 1.5% वार्षिक\*

राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसी से लाभार्थी को : 4% वार्षिक\*\*

\* राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसी द्वारा समय पर भुगतान करने पर 0.5% की छूट।

\*\* छात्राओं को शैक्षिक ऋण विशेष रियायती दर पर 3.5% प्रति वर्ष की दर से प्रदान किया जाएगा।

### पुनर्भुगतान अवधि

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरान्त 6 माह की मोरेटोरियम अवधि दी जाएगी। ऋण की अवधि अधिकतम 10 वर्ष।

### शैक्षिक ऋणों की सुरक्षा एवं अनुश्रवण

राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां ऋण अवधि में ऋणों की सुरक्षा, लाभार्थियों/विद्यार्थियों का चयन एवं अनुश्रवण सुनिश्चित करेंगे। निगम की शैक्षिक ऋण योजना के अन्तर्गत केवल अनुमोदित/मान्यता प्राप्त संस्थानों में पात्र लाभार्थियों को उच्च व्यावसायिक शिक्षा हेतु ऋण उपलब्ध कराया जाता है। विदेश में शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक छात्र ऋण लेने से पूर्व सम्बंधित शिक्षा संस्थान/कोर्स की वैधता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) से सम्पर्क करें।



## प्रस्तावना

यह पुस्तिका निगम की शैक्षिक ऋण योजना 'नई आकांक्षा' (सफलता की कहानियाँ) के अन्तर्गत लाभ प्राप्त युवाओं को प्रतिबिम्बित करती है। इस पुस्तिका के प्रकाशन का उद्देश्य लक्षित वर्ग के युवाओं को प्रेरित करना है कि कैसे यह योजना उनकी वित्तीय कठिनाईयों को दूर कर सकती है एवं उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहायता कर सकती है जिससे वे मुख्य धारा में सम्मिलित होने के योग्य बन सकें तथा देश के विकास में अपना योगदान दे सकें। मात्र इसी उद्देश्य से, निगम ने अब तक बहुत सी सफलता की कहानियों का प्रकाशन किया है। इसी श्रृंखला में इस पुस्तिका 'नई आकांक्षा' का प्रकाशन लाभ प्राप्त विद्यार्थियों की दूरदृष्टि, समर्पण एवं कठिन परिश्रम का प्रदर्शन संभावित लक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने व प्रगति पथ पर अग्रसर होने में सहायक होगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियाँ शैक्षिक ऋण योजना का बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार करेंगी जिससे पिछड़े वर्ग के अधिकतम युवा उच्च, सामान्य व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा को प्राप्त कर इस योजना का लाभ उठा सकेंगे।

ए. ए. नक्वी

प्रबन्ध निर्देशक



## Foreword

This booklet highlights the successful stories of the youth of backward classes benefitted under Corporation's education loan scheme "Nai Akanksha" (Saphalta Ki Kahaniyan). The purpose of publishing this booklet is to inspire the youth of the target group about how the scheme can resolve their financial issues and help them attain higher education and thus empower them to be capable of becoming a part of the mainstream and contribute in the development of the Nation. With this objective only the Corporation has published many success stories till date. Continuing this trend, I hope the publication of this booklet under "Nai Akanksha" scheme which showcases the foresightedness, dedication and hard work of benefitted students will help motivate the potential students to tread the path of success.

I have full confidence that the SCA's will widely publicize about Education Loan Scheme so that the youth benefit by achieving higher, general, professional & technical education.

A. A. Naqvi

Managing Director



## सारिका

सुश्री सारिका पुत्री श्री पुरुषोत्तम चंद्र गाँव व डाकखाना डोहग, तहसील जोगिंदर नगर, जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश, लबना समुदाय की हैं। उसके पिता दो जोड़ी पशुओं के जरिए स्थानीय माल ढुलाई के पारंपरिक व्यवसाय से अपनी आजीविका कमाते हैं, जो पाठ्यक्रम का खर्च उठाने की स्थिति में नहीं थे।

उसके पिता ने बारोट (मंडी) में कॉर्पोरेशन द्वारा आयोजित जागरूकता शिविर में भाग लिया, जिससे उसे हिमाचल बैकवर्ड क्लासिस फाइनैस डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एचबीसीएफडीसी) कांगड़ा द्वारा केवल 3.5 प्रतिशत की अल्प ब्याज दर पर अध्ययन ऋण सुविधा पाने का प्रोत्साहन मिला जो अन्य वाणिज्यिक बैंकों की भारी ब्याज दरों की तुलना में बहुत कम है।

उसे एनबीसीएफडीसी शिक्षा ऋण योजना के तहत नवंबर 2009 के दौरान एचबीसीएफडीसी द्वारा शिक्षा ऋण के अंतर्गत रुपये 3 लाख के ऋण की स्वीकृति प्रदान की जिससे वह फ्लोरेंस स्कूल ऑफ नर्सिंग, जोगेंदर नगर (मंडी), हि. प्र. से साढ़े तीन वर्ष के जीएनएम (जनरल नर्सिंग मिडवाइफरी) पाठ्यक्रम पूरा कर सकी।

सुश्री सारिका बहुत गंभीर और सक्रिय बालिका है। वह अपने पाठ्यक्रम को पूर्ण कर चुकी हैं तथा सूचित किया गया है कि उन्हें संतोषजनक रोजगार प्राप्त हुआ है और अब उनके परिवारिक जीवन—यापन भली—भाँति हो रहा है।



## Sarika

Miss Sarika D/o Shri Parshotam Chand VPO Dohag, Tehsil Joginder Nagar, Distt. Mandi, Himachal Pradesh belongs to Labana community. Her father is earning his livelihood from his traditional occupation of local freight through two pack animals, which was not in a position to afford the cost of course.

Her father attended the awareness camp organised by the Corporation at Barot (Mandi) which motivated him to avail study loan facility of HBCFDC Kangra at very low rate of interest of just on 3.50% as compared to very exorbitant rates of other commercial banks.

She has availed education loan of Rs. 3 lakh in November, 2009 from HBCFDC under NBCFDC Education Loan Scheme for her three and half year GNM(General Nursing midwifery) course from Florence School of Nursing, Joginder Nagar (Mandi) HP and able to complete course.

Miss Sarika is very sober and dynamic girl. She has completed her course successfully and she got better employment now her family's life is easy.

## GNM Nursing

## MBBS

## डा० कातमेडी राजू

डा. के. राजू पुत्र श्री मुगलैय्या, निवासी मलकापुर हतनूरा, जिला मेडक, आन्ध्र प्रदेश के निवासी हैं। के. राजू के नाम का चयन एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम हेतु वर्ष 2002 में हुआ किन्तु इनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह असहाय तथा व्यथित थे कि कैसे अपनी पढ़ाई को पूरा किया जाए। उनके एक शुभेक्षु ने भारत सरकार के अन्तर्गत एन.बी.सी.एफ.डी.सी. द्वारा संचालित उच्च शिक्षा ऋण योजना के बारे में बताया। के. राजू ने आन्ध्र प्रदेश सहकारी पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम के जिला स्थित कार्यालय से सम्पर्क किया तथा एन.बी.सी.एफ.डी.सी. द्वारा संचालित शैक्षिक ऋण योजना की जानकारी प्राप्त की तथा शीघ्र ही आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर ऋण प्राप्त करने हेतु अपना आवेदन प्रस्तुत किया। के. राजू को एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम हेतु माह अक्टूबर, 2002 में रु. 1,48,400 /— का ऋण स्वीकृत किया गया।

इस ऋण की मदद से राजू एमबीबीएस कोर्स को पूरा करने में सफल हुए। इतना ही नहीं, कहीं नौकरी करने के बजाय उन्होंने स्वरोजगार को अपनाया और एक निजी अस्पताल श्री साई राम मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के नाम से खुद स्थापित किया। आज वे खुद 50,000 /— रुपये से ज्यादा कमा रहे हैं और दस से ज्यादा नर्सों व वार्ड ब्याज को इस अस्पताल में रोजगार मुहैया कराया है।

उन्होंने सारा ऋण चुकता कर दिया है और वे निगम की तारीफ करते कभी नहीं थकते।



## Dr. Katamedi Raju

Mr. K. Raju S/O Mr. Mogulaiah resident of Malkapur, Hatnoor, Distt. Medak, Andhra Pradesh. Mr. K. Raju was selected for MBBS course in the year 2002 but his family's financial position was not good and hence he was worried and feeling

helpless as to how will he complete his study. One of his will wisher told him about higher education loan scheme of NBCFDC under Govt. of India. Mr. K. Raju contacted with Distt. office of Andhra Pradesh Backward Classes Co-operative Finance Corporation and got detailed information about the higher education loan scheme of NBCFDC. He completed loan formalities and submitted his application form in the office. Loan of Rs. 1,48,400 sanctioned in the month of October, 2002 for pursuing MBBS.

With the loan assistance he was able to complete this M.B.B.S. Course successfully and established one private Hospital namely Sri Sai Ram Multi Specialty Hospital and got self employment and earn Rs. 50,000/- per month independently and also providing jobs to more than ten (10) Nurses and Ward boys in this Hospital.

He has repaid the whole loan he had availed. He never gets tired of appreciating the Corporation.

### डा० डी० पदमिनी

डॉ. डी. पदमिनी अब एक एम.बी.बी.एस. डॉक्टर हैं। उनकी एम.बी.बी.एस. की पढ़ाई हेतु व्यय का वहन एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शैक्षिक ऋण योजना के अन्तर्गत आन्ध्र प्रदेश सहकारी पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से किया गया। डॉ. पदमिनी पुत्री श्री डी. श्रीनिवास, धूलपेट, हैदराबाद की निवासी हैं तथा पिछड़ा वर्ग के अन्तर्गत मुनेरकेपु जाति से हैं।

डॉ. पदमिनी की कर्मठता एवं पढ़ाई में गहरी रुचि के कारण उनके नाम का चयन एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम हेतु वर्ष 2004 में हुआ। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि परिवार पढ़ाई का खर्च वहन कर पाता। अतः उन्हें सरकारी ऋण सहायता की आवश्यकता थी जिसमें आसानी से ऋण प्राप्त हो सके व ब्याज का बोझ न पड़े। उन्हें किसी ने एन.बी.सी.एफ.डी.सी. द्वारा संचालित उच्च शिक्षा ऋण योजना के बारे में बताया तथा आन्ध्र प्रदेश सहकारी पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम के जिला स्थित कार्यालय से सम्पर्क करने की सलाह दी। डी. पदमिनी ने शीघ्र ही सम्पर्क कर व आवश्यक जानकारी प्राप्त की तथा औपचारिकताएं पूर्ण कर ऋण प्राप्त करने हेतु अपना आवेदन प्रस्तुत किया। माह मई, 2004 में उन्हें उच्च शिक्षा एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम हेतु रु.2.61 लाख का ऋण स्वीकृत किया गया।

डी. पदमिनी ने अपना एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम गांधी मेडिकल कॉलेज से पूरा किया। राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसी द्वारा सूचित किया गया है कि पाठ्यक्रम पूरा होने के उपरान्त उन्हें रोजगार मिल गया है तथा रु.18,000 प्रति माह का वेतन प्राप्त हो रहा है। अब लाभार्थी अपने परिवार की सहायता कर रही है तथा वह और उनका परिवार अब खुश हैं। वे सभी एन.बी.सी. एफ.डी.सी. एवं राज्य बी.सी. निगम को धन्यवाद देते हैं।



## MBBS

### Dr. D. Padmini

Dr. D. Padmini is now a MBBS Doctor. The expenditure of MBBS course was met under NBCFDC's Education Loan Scheme through Andhra Pradesh Backward Classes Co-operative Finance Corporation. Dr. D. Padmini D/o Sh. D. Shrinivas resident of Dhoolpet, Hyderabad belonging from caste of Munnerkapu comes under backward classes.

D. Padmini was selected for MBBS in the year 2004 and it was due to her diligence and deep interest in study. Her family condition was not such that they afford study expenditures. Hence, she needed Government loan assistance so that she could easily obtain the loan and could avoid higher interest burden. She had come to know that NBCFDC provide loan for higher education and she had to contact to Distt. office of Andhra Pradesh Backward Classes Co-operative Finance Corporation. D. Padmini very soon contacted to the said office and got information and she submitted her application form alongwith requirements. She was sanctioned an amount of Rs. 2.61 lakh in the month of May, 2004.

D. Padmini has completed her MBBS course and she also completed Post Graduate Course from Gandhi Medical Collage. It has been informed by SCA that she got employment after completion of course and getting Rs. 18,000 p.m. as a salary. Now, beneficiary is assisting her family. Now, she & her family members are much pleased. They all expressing thanks to the NBCFDC & State BC Corporation.

## MBBS

### सुश्री शिवादेवप्रथा

सुश्री शिवादेवप्रथा, पुत्री श्री एस. सत्यमूर्ति, सं०-14, मिडल स्ट्रीट, मुरुंगापक्कम, पुडुचेरी के वनियार समुदाय से संबंध रखती हैं, जो सर्वाधिक पिछड़ा वर्ग है।

सुश्री शिवादेवप्रथा ने महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एण्ड रिसर्च इन्सटीट्यूट, पुडुचेरी में वर्ष 2007 में एम०बी०बी०एस० पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की किन्तु उनके लिए यह पढ़ाई पूरी कर पाना आसान नहीं था, क्योंकि इसके लिए जो फीस एवं अन्य व्यय थे, उनकी पूर्ति उनका परिवार नहीं कर सकता था। अतः उन्होंने ऋण के माध्यम से अपनी पढ़ाई पूर्ण करने का इरादा किया किन्तु मंहगे ब्याज दरों के ऋण लेने का साहस उनमें न था। इसी दौरान उन्हें एन०बी०सी०एफ०डी०सी० की शैक्षिक ऋण योजना की जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने बिना समय गवाएं पुडुचेरी पिछड़े वर्ग और अल्प संख्यक विकास निगम से सम्पर्क किया और ऋण प्राप्त करने की अपनी इच्छा व्यक्त की। समस्त औपचारिकताएं इत्यादि पूर्ण करने के उपरान्त उन्होंने अपना ऋण आवेदन जमा कर दिया। पुडुचेरी पिछड़े वर्ग और अल्प संख्यक विकास निगम द्वारा उन्हें एम.बी. बी.एस. अध्ययन के लिए रु० 4,00,000/- का ऋण स्वीकृत किया गया।

उन्होंने एमबीबीएस के लिए एनबीसीएफडीसी शिक्षा ऋण योजना के तहत पुडुचेरी पिछड़े वर्ग और अल्प संख्यक विकास निगम से ऋण का लाभ उठाया। जिससे वे अपने पढ़ाई के खर्च की चिंताओं से मुक्त होकर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकीं।

गरीब परिवार के एक प्रतिभाशाली छात्रा ने अपने परिश्रम एवं लगन से पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है तथा यह सूचित किया गया है कि उन्हें एक अच्छा रोजगार मिल गया है तथा संतोषजनक आय प्राप्त हो रही है। अब वे और उनका परिवार खुश हैं तथा भविष्य उज्ज्वल है।



### Ms. Sivadevapratha

Ms. Sivadevapratha D/o Mr. S. Sathiyamoorthy resident of No.-14, Middle Street, Murungapakkam Puducherry belongs to Vanniyar community which is a Most Backward caste.

Ms. Sivadevapratha had cleared her interence examination for M.B.B.S. in the year 2007 from Mahatma Gandhi Medical College & Research Institute, Puducherry but it was not easy to complete this course due to the fee & expenses which were beyond the limit of her family. Therefore, she decided to complete her education via loan assistance but she could not taken decision as it had costlier rate of interest. During these days, she got information about NBCFDC's Education Loan Scheme. Without any delay, she rapidly contacted from Puducherry Backward Classes and Minorities Development Corporation. She submitted her loan application form alongwith all required documents. Puducherry Backward Classes and Minorities Development Corporation sanctioned an amount of Rs. 4,00,000/- for her MBBS Course.

She availed a loan from Puducherry Backward Classes and Minorities Development Corporation under NBCFDC Education Loan Scheme for his MBBS. . This enable him to concentrate on studies and leaving aside the worries of fees etc.

A bright student from a poor family have completed her course with her hard work and dedication and it is informed that she got a good employment and earning a good amount. Now she & her family is happy her future is bright.



### आर. सिंदुजा

सुश्री आर. सिंदुजा पुत्री श्री रवीन्द्रन सं०:164, एल०आई०जी० हाउजिंग बोर्ड, कुरुमामपेट, पुडुचेरी की निवासी हैं। वह वनियार समुदाय से हैं जो पुडुचेरी में एक बहुत पिछड़ी जाति है। उनके पिता श्री पी. रविचंद्रन परिवार में एक मात्र कमाने वाले व्यक्ति हैं और एक निजी स्कूल में कार्यरत हैं।

वर्ष 2006-07 के दौरान उसने “श्री मनाकुला विनयर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, पुडुचेरी” से एम०बी०बी०एस० हेतु प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की किन्तु परिवार की आर्थिक कठिनाइयों के कारण उसके पास मात्र एक रास्ता था कि सरकारी संस्थान अथवा बैंक से शिक्षा हेतु ऋण प्राप्त कर अध्ययन को पूर्ण किया जाए। उसने एक-एक कर सभी विकल्पों पर विचार किया और पाया कि एन०बी०सी०एफ०डी०सी० की शैक्षिक ऋण योजना आसान एवं सस्ती है। उसने राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसी से सम्पर्क कर पुडुचेरी पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक विकास निगम के माध्यम से एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शिक्षा ऋण योजना के तहत एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम के लिए आवेदन प्रस्तुत कर दिया तथा उसे वर्ष 2007 में रुपये 4 लाख ऋण स्वीकृत किया गया।

सुश्री आर. सिंदुजा एक मेधावी छात्रा हैं। उन्होंने अध्ययन के वर्षों में अच्छे नंबर अर्जित किए हैं।

वह और उनका परिवार बहुत प्रसन्न हैं एवं उन सभी को आशा है कि उनका भविष्य उज्ज्वल होगा। सिंदुजा एवं उसका परिवार एन०बी०सी०एफ०डी०सी० एवं सरकार के प्रति अपना आभार प्रकट करते हैं।



## MBBS

### R. Sinduja

Ms. R. Sinduja D/o Sh. Ravindran resident of No. 164, LIG, Housing Board, Kurumampet, Puducherry. She belongs to Vanniyar community which is a Most Backward caste. Her father Mr. P. Ravichandran is alone wage earner and working in a private school.

During the year 2006-07 she had qualified her MBBS entrance examination from Sri Mankula Vinayar Medical College and Hospital, Puducherry but due to the family's economical hardships she had a single way i.e. loan assistance from any Govt. organization/bank. She tried channel one by one and found NBCFDC's Education Loan Scheme is a easy & cheep and hence she decided to approach with. She applied for loan from Puducherry Backward Classes and Minorities Development Corporation under NBCFDC Education Loan Scheme for pursuing her MBBS course and amount of Rs. 4 lakh was sanctioned in 2007.

Ms. R. Sinduja is an intelligent student. She scored good marks in all the years of study and her course was to be just completed at the time of story writing.

She and her family is very happy & they all hope that good days will come soon. Sinduja & her family expressed gratitude towards Govt. and NBCFDC for providing help.

## MBBS

### एस. राजा

श्री एस. राजा पुत्र सक्रवर्ती, निवासी नं. 32 कामराज गली, सेंथामराय नगर, मुथाइलपेट, पुडुचेरी, वनियार समुदाय के हैं जो एक सर्वाधिक पिछड़ी जाति है। उनके पिता श्री सक्रवर्ती परिवार में एक मात्र कमाने वाले व्यक्ति थे और वे एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं।

श्री एस. राजा को पुडुचेरी पिछड़ा वर्ग और अल्प विकास निगम के माध्यम से एन.बी.सी.एफ.डी.सी. शिक्षा ऋण योजना के अन्तर्गत रु० 1,14,000 का ऋण वर्ष 2004-05 में प्राप्त हुआ। यह ऋण उन्हें एम.बी.बी.एस. की शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रदान किया गया था। श्री एस. राजा एन०बी०सी०एफ०डी०सी० की ऋण योजना के माध्यम से से विनायगा मिशन मेडिकल कॉलेज कराईकाल, पुडुचेरी से अपनी पढ़ाई कर सके और अच्छे अंकों के साथ डिग्री प्राप्त की।

वर्तमान में श्री एस. राजा पुडुचेरी के एक सरकारी अस्पताल में डाक्टर हैं तथा उन्हें रु. 55,000/- का मासिक वेतन प्राप्त हो रहा है। एस. राजा के रोजगार प्राप्त करने से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक हो गई है तथा डाक्टर बनने के कारण उनके व उनके परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ी है।

श्री एस० राजा एवं उनका परिवार दोनों निगमों अर्थात् एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और पुडुचेरी बीसी कॉरपोरेशन के प्रति अत्यंत आभार व्यक्त करते हैं।



### S. Raja

Shri S. Raja S/o Shakravarthy, R/o No. 32, Kamaraj Street, Senthamarai Nagar, Muthialpet, Puducherry belongs to Vanniyar community which is a Most Backward cast. His father Mr. Shakravarthy, was only earner in the family and working in a private company,

Sh. S. Raja obtained loan amount of Rs. 1,14,000 from Puducherry Backward Classes and Minorities Development Corporation under NBCFDC Education Loan Scheme in the year 2004-05. This loan was sanctioned him for his MBBS course. Sh. S. Raja could completed his course with good marks from Vinayaga Mission Medical College Karaikal, Puducherry with the help of Education Loan under NBCFDC loan scheme.

Presently Sh. Raja is appointed in Govt. Hospital of Puducherry and he is getting monthly salary of Rs. 55,000/-. His economic condition now become sound due to the good employment. Social status of his family has also become raised due to becoming a Doctor.

Sh. S. Raja and his family expressed heartily thanks to the both Corporations i.e. NBCFDC and Puducherry B.C. Corporation.

### डा० बी० रमा देवी

डॉ. बी. रमा देवी पुत्री श्री बी. नरसिंहाराव निवासी 17-1-391/2/35, विष्णुनगर, सैदाबाद, आन्ध्र प्रदेश। वे पिछड़े वर्ग की मुनरकेप्पू जाति से हैं तथा उनका परिवार गरीब था।

उनका चयन एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम हेतु हुआ था किन्तु वित्तीय स्थिति कमजोर होने के कारण वह प्रवेश लेने में असमर्थ थी। अन्तिम विकल्प के रूप में, वह और उनके परिवार ने एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शैक्षिक ऋण योजना आकांक्षा के अन्तर्गत ऋण सहायता प्राप्त करने का निश्चय लिया। उसने आन्ध्र प्रदेश पिछड़ा वर्ग को-ऑपरेटिव फाइनेन्स कॉरपोरेशन के जिला कार्यालय के कर्मियों से सम्पर्क कर बातचीत की कि कैसे उच्च शिक्षा हेतु ऋण सहायता प्राप्त की जा सकती है।

रमा देवी ने आवश्यक औपचारिकताओं के साथ अपना आवेदन ऋण सहायता प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत किया। आन्ध्र प्रदेश पिछड़ा वर्ग को-ऑपरेटिव फाइनेन्स कॉरपोरेशन ने वर्ष 2005 में एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम हेतु ₹ 2,83,680 के ऋण की स्वीकृति प्रदान की।

वर्ष-वार वितरित ऋण सहायता से उसने अपना एम.बी.बी.एस. का पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया है तथा संयुक्त राज्य अमेरिका से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी पूर्ण कर लिया है।

डॉ. रमा देवी को अब अच्छा रोजगार प्राप्त हो गया है एवं लगभग ₹ 30,000 मासिक का अर्जन कर रही हैं। वह और उनका परिवार प्रसन्न हैं तथा एन.बी.सी.एफ.डी.सी. एवं आन्ध्र प्रदेश पिछड़ा वर्ग को-ऑपरेटिव फाइनेन्स कॉरपोरेशन को आसान, त्वरित एवं कम ब्याज दर पर ऋण सहायता प्रदान करने हेतु हार्दिक धन्यवाद देते हैं।



## MBBS

### Dr. B. Rama Devi

Dr. B. Rama Devi D/o Sh. B. Narshimaha Rao resident of 17-1-391/2/35 Vishnu Nagar, Saidabad, Andhra Pradesh. She belongs from Munnerkapu caste of backward classes. Her family was a poor family.

She selected for MBBS course but due to the weak financial position she was unable to take admission. As a last option, she and her family members decided to get financial assistance under NBCFDC Education Loan Scheme 'Akanksha'. She contacted with the Distt. office of Andhra Pradesh Backward Classes Co-operative Finance Corporation and talked with the official how can get loan assistance under higher study course.

She submitted her application form for loan assistance alongwith required formalities. Andhra Pradesh Backward Classes Co-operative Finance Corporation sanctioned Rs. 2,83,680 for her MBBS course in the year 2005.

She completed her MBBS course from loan assistance disbursed to her as per yearwise requirement and she also pursued P.G. Course from U.S.A.

She is now well settled and earning is about 30,000 per month. Now she and her family is pleased and come out from the poverty line. She & her family members expressed thanks to NBCFDC and Andhra Pradesh Backward Classes Co-operative Finance Corporation for providing easy, rapid and low interest loan assistance.

## MBBS

### सुश्री नूतन कुमारी

सुश्री नूतन कुमारी पुत्री श्री अनिल चौधरी निवासी ललीहाही, विकास खण्ड एवं जिला: कटिहार, बिहार। वे पिछड़े वर्ग की कलवार जाति की एक गरीब सदस्य थी। उनकी वार्षिक पारिवारिक आय मात्र रु. 25,000 थी। उनका चयन अनुराग नारायण मेडिकल कॉलेज, गया में एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम हेतु हुआ। किन्तु उनकी पारिवारिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे इस प्रकार की उच्च शिक्षा का वहन कर सकते। इस प्रकार से, उन्होंने यह एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शैक्षिक ऋण योजना आकांक्षा के अन्तर्गत ऋण प्राप्त करने का निश्चय किया।

उन्होंने बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम के जिला कार्यालय से सम्पर्क किए एवं योजना व औपचारिकताओं के बारे में बात की। उन्होंने आवश्यक औपचारिकताओं सहित अपना आवेदन ऋण सहायता प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत कर दिया। बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम द्वारा वर्ष 2004 में रु. 1,54,907 का ऋण अनुराग नारायण मेडिकल कॉलेज, गया से एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम हेतु स्वीकृत किया गया।

अब सुश्री नूतन कुमारी अपना एम.बी.बी.एस. का पाठ्यक्रम पूर्ण कर चुकी हैं तथा अपने पति श्री अमोद कुमार जो एम.एस.सी. (बायोटेक्नोलॉजी) हैं तथा पटना विश्वविद्यालय में अनुसंधान फेलो हैं, के साथ अपनी प्रैक्टिस कर रही हैं। वे अपनी क्लिनिक/प्रैक्टिस से अच्छी आय अर्जित कर रही हैं। वे ऋण की किस्तों की अदायगी नियमित रूप से कर रही हैं।

वे और उनका परिवार प्रसन्न हैं एवं उनका जीवन यापन भली भांति हो रहा है। वे एन.बी.सी.एफ.डी.सी. एवं बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम को आसान ऋण सहायता प्रदान करने हेतु हार्दिक धन्यवाद देते हैं।



### Ms. Nootan Kumari

Ms. Nootan Kumari D/o Sh. Anil Chaudhary resident of Lalihahi, Block & Distt.: Katehar, Bihar. She was a member of poor family from 'Kalwar' caste under backward classes. Her family income was only 25,000 annually. She was selected for M.B.B.S. course at from Anugrah Narayan Medical Collage, Gaya. But, her family's financial condition was so bad that it could not even think of hearing expenses of such higher course. Thus she decided to take loan under NBCFDC Education Loan Scheme 'Akanksha'.

She contacted Distt. office of Bihar State Backward Classes Finance & Development Corporation and asked them about the scheme & formalities. She submitted her application form for loan assistance alongwith required formalities. Bihar State Backward Classes Finance & Development Corporation sanctioned Rs. 1,54,907 for her MBBS course from Anugrah Narayan Medical Collage, Gaya in the year 2004.

Now she has completed her MBBS course and practicing with her husband Sh. Amod Kumar, who is M.Sc.(Biotechnology) and working as a Senior Research Fellow in Patna University. She is earning good amount from her practice/Clinical Work. She is also repaying loan installments regularly.

She and her family members are happy and living content life. She & her family members expressed thanks to NBCFDC and Bihar State Backward Classes Finance & Development Corporation for providing easy loan assistance.



## सुरेश

श्री सुरेश पुत्र श्री सतवीर आयु 20 वर्ष जाति गुजर निवासी जिला फरीदाबाद के रहने वाले हैं। श्री सुरेश के पिता जी एक सीमान्त किसान हैं जिस कारण परिवार का खर्च वहन करना अत्यंत ही कठिन था व इनके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय थी। श्री सुरेश की इच्छा इंजीनियर बनने की थी अपनी मेहनत से बी.ई. 4 वर्षीय इंजीनियरिंग कोर्स में दाखिला हेतु नाम तो आ गया गया किन्तु अध्ययन हेतु फीस एवं अन्य खर्चों का प्रबंध न होने के कारण वह और उसका परिवार अत्यन्त चिन्तित था। उसे जानकारी प्राप्त हुई कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम अपनी राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों के माध्यम से पिछड़े वर्गों के पात्र व्यक्तियों को उच्च शिक्षा हेतु रियायती ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराता है। अतः उसने अपने जिला स्थित कार्यालय से ऋण प्राप्त करने हेतु सम्पर्क किया तथा विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

श्री सुरेश को 2009-10 में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम की उच्च शिक्षा योजना- "आकांक्षा" के अन्तर्गत हरियाणा बैंकवर्ड क्लासेज़ इकनॉमिकली वीकर सेक्शन कल्याण निगम द्वारा 1,72,500 /- का ऋण स्वीकृत व वितरित किया गया।

ऐसा सूचित किया गया कि श्री सुरेश ने अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी लगन, मेहनत, एवं आर्थिक चिन्ता मुक्त होकर हाल ही में पूर्ण कर ली है तथा उन्हें एक अच्छा रोजगार प्राप्त हुआ है। इंजीनियर बनने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है तथा सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ी है।



## Engineering

### Suresh

Shri Suresh S/o Sh. Satveer belongs, aged 20 years resident of Faridabad, Haryana belongs from Gurjar family. His father is a marginal farmer and could not make enough to meet routine expenses of the family. Though the family was facing financial crisis, however Suresh wanted to become an Engineer and he selected for admission in 4 year Engineering course B.E. but he and his family was very much worried due to the non-arrangement of course fee and other study expense. He got information that National Backward Classes Finance & Development Corporation is provided concessional loan assistance to the eligible member of backward classes for pursuing higher education through its State Channelising Agency in the State. Hence, he contacted distt. level office and got detailed information for obtaining loan under the scheme.

Sh. Suresh got an education loan of Rs. 1,72,500/- from Haryana Backward Classes Economically Weaker Section Kalyan Nigam during 2009-10 under Higher Education scheme of National Backward Classes Finance & Development Corporation.

It is informed that Suresh has completed his Engineering with full dedication, hard work and without tension. He got a good job. His financial condition has becoming steady and there is also increase in his social reputation.

## Engineering

### डी० सुनील कुमार

डी. सुनील कुमार पुत्र श्री डी. बिक्शपति, रंगा रेड्डी जिले के निवासी है तथा एक निर्धन परिवार से थे। उन्हें बी.ई. पाठ्यक्रम के लिए इंजीनियरिंग संस्थान में प्रवेश हेतु चयनित कर लिया गया किन्तु पारिवारिक आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्हें यह पढ़ाई पूरी कर पाना एक सपना मात्र लग रहा था। उन्हें किसी जानने वाले से जानकारी प्राप्त हुई कि केन्द्र सरकार के अन्तर्गत कार्यरत राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम पिछड़े वर्गों के गरीब व्यक्तियों को उच्च शिक्षा हेतु रियायती ब्याज दरों पर ऋण सहायता उपलब्ध कराता है तथा राज्य निगम के माध्यम से औपचारिकताएं पूर्ण की जाती हैं व ऋण स्वीकृत किए जाते हैं। श्री डी. सुनील कुमार ने जिला स्थित कार्यालय से सम्पर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा उच्च शिक्षा हेतु ऋण प्राप्त करने के लिए औपचारिकताओं को पूरा कर अपना आवेदन जमा कर दिया। आंध्र प्रदेश सहकारी पिछड़ा वर्ग वित्त निगम द्वारा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम की उच्च शिक्षा ऋण योजना के अन्तर्गत श्री डी. सुनील कुमार को रु० 1,01,250 /- का ऋण स्वीकृत किया गया।

निगम के ऋण की सहायता व अपने परिश्रम से डी. सुनील कुमार बी.ई. की पढ़ाई पूरी करने में सफल हुए और अब वह हैदराबाद में स्वरोजगार कर रहे हैं तथा उनके पास 35 कर्मचारी काम कर रहे हैं। वह प्रति माह 40,000 /- कमा रहे हैं।

डी. कुमार नियमित रूप से अपनी ऋण की किस्त अदा कर रहे हैं।



### D. Sunil Kumar

Mr. D. Sunil Kumar, S/o D. Bikshpathi Resident of Ranga Reddy district and was from a poor Backward Class family. He was selected for B.E. course by the Engineering Institute but due to the unsound economical family condition he had no chances to complete his education. He got information from a well wisher that under the Central Govt. a Corporation namely -National Backward Classes Finance & Development Corporation is provided concessional loans for higher education through State Corporation the formalities are completed & loans are sanctioned. Sh. D. Sunil Kumar contacted Distt. level office & got detailed information. He further completed formalities and submitted his application form with the office. Andhra Pradesh Backward Classes Cooperative Finance Corporation sanctioned loan of Rs. 1,01,250/- for B.E. Course under NBCFDC higher Education Loan Scheme "Saksham".

With the loan assistance and his devotion with study he was able to complete this B.E. Course successfully and working in Hyderabad where 35 persons are working under him. He is earning Rs. 40,000/- per month.

He is regularly in repaying his loan Installments.

### कर्मवीर

श्री कर्मवीर पुत्र श्री रामकिशन आयु 26 वर्ष निवासी ग्राम नचौली, फरीदाबाद के रहने वाले हैं। श्री कर्मवीर के पिता जी की फैक्टरी में वर्कर की नौकरी छूट गयी थी, जिस कारण परिवार का खर्चा वहन करना अत्यंत ही कठिन था व इनके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय थी। श्री कर्मवीर ने अपनी मेहनत से 4 वर्षीय कंप्यूटर इंजीनियर कोर्स हेतु गोल्ड फील्ड इन्स्टीट्यूट एण्ड मैनेजमेंट, फरीदाबाद में दाखिला प्राप्त किया।

श्री कर्मवीर को यह ज्ञात था कि बैंक व कुछ सरकारी संस्थान उच्च शिक्षा हेतु ऋण सहायता उपलब्ध कराते हैं अतः उन्होंने चण्डीगढ़ स्थिति एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसी से सम्पर्क कर सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की व शीघ्र ही औचारिकताओं को पूरा कर अपना आवेदन संबंधित कार्यालय को जमा किया।

श्री कर्मवीर को 2008-09 में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम की उच्च शिक्षा स्कीम के अन्तर्गत हरियाणा बैकवर्ड क्लासेज़ इकनॉमिकली वीकर सेक्शन कल्याण निगम द्वारा 2,07,500/- का ऋण स्वीकृत व वितरित किया गया।

ऐसा सूचित किया गया है कि श्री कर्मवीर ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई आर्थिक चिन्ता से मुक्त होकर पूरी कर ली है। अब वे परिवार सहित बहुत खुश हैं तथा एन.बी.सी.एफ.डी.सी एवं राज्य निगम को हार्दिक आभार प्रकट करते हैं।



## Engineering

### Karamveer

Shri Karamveer aged 26 years, S/o Shri Ram Kishan resides in village Nachauli in Faridabad district of Haryana. His father was working in a factory but lost his job and that put the family in financial crisis.

The financial condition of the family was miserable. However, Karamveer worked hard and got admission for 4 years Computer Engineering course and Management, in Gold Field Institute, Faridabad.

Shri Karamveer was aware that same Banks/Institute/ Agencies provided loan assistance for higher education, therefore, he contacted state channeling agency of NBCFDC situated at Chandigarh and got detailed information. He completed all the formalities soon and submitted his application form to the concerned office.

In 2008-09 a loan of Rs. 2,07,500/- was sanctioned and disbursed to Karamveer under Education Loan Scheme of National Backward Classes Finance & Development Corporation by Haryana Backward Classes Economically Weaker Section Kalyan Nigam.

As informed Sh. Karamveer completed his engineering course with full dedication and got a good job due to which he is earning well. Now he and his family is very happy and express thanks to NBCFDC & State Corporation.

## Engineering

### गुलशन सेन

पिछड़ा वर्ग के छात्र गुलशन सेन पिता श्री ओमप्रकाश सेन निवासी-691, झरनेश्वर, मंदिर के पास बाणगंगा, भोपाल को जब यह ज्ञात हुआ कि उसका चयन इंजीनियरिंग में हुआ है तो उसकी खुशी की ठिकाना न था किन्तु पिता की आर्थिक स्थिति ऐसी न थी कि वे अपने पुत्र को इंजीनियरिंग में दाखिला दिला पाते। आखिरी उम्मीद के सहारे छात्र गुलशन सेन ने जब म0प्र0 पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम, भोपाल कार्यालय से एन0बी0सी0एफ0डी0सी0 की शैक्षिक ऋण योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त करने हेतु संपर्क किया तो उन्हें आशा की किरण दिखती नजर आयी।

निगम द्वारा चार वर्षीय पाठ्यक्रम हेतु माह फरवरी-2010 को रु. 1,90,000/- का ऋण स्वीकृत किया गया तथा उनकी शैक्षणिक फीस का भुगतान किया गया। उत्साह से भरपूर गुलशन सेन निरंतर सफलता के कदम चूम रहे हैं। उनके अंतिम वर्ष का पाठ्यक्रम भी शीघ्र ही पूर्ण हो जाएगा।

वे और उनका परिवार अत्यन्त खुश हैं कि उनको म0प्र0 पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम भोपाल के माध्यम से एन0बी0सी0एफ0डी0सी0 की ऋण योजना के अंतर्गत आसानी से प्राप्त 'आकांक्षा' शैक्षणिक ऋण प्राप्त हो सका। उन्हें अत्यन्त प्रसन्न हैं कि उनके गरीब परिवार में एक सदस्य सिविल इंजीनियर बनने वाला हैं।



### Gulshan Sen

When backward class student Gulshan Sen S/o Shri Om Prakash R/o 691 near Jharneshwar Mandir, Banganga, Bhopal was informed about his selection for engineering, he was very happy and excited, but financial condition of his father

was so weak that he couldn't manage Gulshan's study on his own. As a last hope, he applied for a loan from Madhya Pradesh Backward Classes and Minority Finance and Development Corporation, Bhopal under NBCFDC's Education Loan Scheme, a positive response from the Corporation encouraged him.

In February 2010 the Corporation sanctioned Rs. 1,90,000/- and Gulshan's fees were paid. Encouraged with this, Gulshan was working very hard and successfully cleared all examinations. Very soon he will complete his last year.

He and his family members are very pleased that they got easy loan from Madhya Pradesh Backward Classes and Minority Finance and Development Corporation under NBCFDC Education Loan Scheme "Akanksha". The family is very grateful to the Corporation as it contributed a lot in making a Civil Engineer from this poor family.



### एस. संजय कालूभाई

श्री एस. संजय कालूभाई पुत्र श्री कालू भाई सडाडिया निवासी गांव लालावदार, राजकोट, वडोद के निवासी हैं जो गुजरात के राजकोट जिले में आता है। उनके पिता पिछले पंद्रह वर्षों से हीरों की कटाई और पॉलिशिंग वर्कशॉप में कार्य करते हैं और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनके बेटे का दाखिला एमबीबीएस में होगा। संजय को दाखिला पाने में सफलता मिली। इसके बाद उसकी पढ़ाई के खर्च, पुस्तकों आदि के लिए पैसों का अहम मुद्दा सामने आया।

संजय और उनके पिता ने गुजरात ठाकोर और कोली विकास निगम से संपर्क किया तथा एन.बी.सी.एफ.डी.सी. शिक्षा ऋण योजना के तहत ऋण का लाभ उठाया और निश्चितता पूर्वक अपनी पढ़ाई आरंभ की। संजय को वर्ष 2008 में 2,50,000 रुपए का ऋण मिला जो उसे अपने परिवार में समृद्धि लाने तथा कैरियर को आगे बढ़ाने में सहायक रहा।

उसने वर्ष 2012 में अपना एमबीबीएस पूरा किया और अब अच्छी नौकरी कर रहा है। उसने दिसंबर 2012 से ऋण का पुनर्भुगतान भी आरंभ कर दिया है।

श्री संजय एवं उनका परिवार अत्यंत खुश हैं, वे यह महसूस करते हैं कि यदि आसान तरीके से एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की ऋण सहायता प्राप्त न हुई होती तो यह सफलता प्राप्त कर पाना अत्यंत मुश्किल होता। वे और उनका परिवार गुजरात ठाकोर और कोली विकास निगम एवं एन.बी.सी.एफ.डी.सी. का आभार प्रकट करते हैं।



## MBBS

### S. Sanjay Kalubhai

Shri S. Sanjay Kalubhai S/o Shri Kalubhai Sadadiya R/o village Lalavadar in Rajkot District Vadod situated in Rajkot District of Gujarat. His father had been working in Diamond cutting . and polishing workshop for last 15 years who had never thought his son would get admission in MBBS. Sanjay succeeded in getting admission. Then arose the vital issue of money for the fees and books etc.

Sanjay and his father approached Gujarat Thakor & Koli Vikas Nigam and availed loan from them under NBCFDC Education Loan Scheme and has been pursuing his course freely. Sanjay got a loan of Rs. 2,50,000/- in the year 2008 expecting to pursue career in medicine and prosperity in life for his family.

He completed his MBBS in the year 2012 and is well employed. The recovery has also started from December 2012.

Shri Sanjay and his family are very much pleased. They feel, if easy loan assistance under NBCFDC scheme was not received, it was very difficult to get the success. He and his family expressed gratitude towards NBCFDC and Gujarat & Koli Development Corporation.

## MBBS

### परिमल

श्री परिमल पुत्र श्री गोपाल भाई रामाभाई पटेल, निवासी चिमला, जिला—नवसारी, दक्षिण गुजरात के निवासी हैं। श्री परिमल परिवार के एक मात्र पुत्र हैं और उनकी चार बड़ी बहनें हैं। ये सभी सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं। परिवार की आय बहुत कम है और जब उनकी बेटी को पीटीसी कॉलेज में दाखिला मिला तो इन्हें श्री गोपाल भाई की बहन और उनके पति का समर्थन मिलता था।

श्री परिमल ने एसएससी में 87 प्रतिशत और एचएससी में 74 प्रतिशत अंक प्राप्त किए किंतु उनकी उम्मीदें समाप्त होती दिखी उन्हें सरकारी मेडिकल कॉलेज में दाखिला नहीं मिला। उनके पास एक मात्र एस.बी. के.एस. मेडिकल कॉलेज, पिपरिया के स्वयं निधिकरण कॉलेज में प्रवेश का आश्रय था। जहां की फीस परिमल जैसे परिवार के लिए बहुत अधिक थी। परिवार के एक शुभ चिंतक श्री दिनेश भाई ने उन्हें गुजरात ठाकोर और कोली विकास निगम से संपर्क करने के लिए कहा। इस प्रकार श्री परिमल को गुजरात ठाकोर और कोली विकास निगम के माध्यम से एनबीसीएफडीसी शिक्षा ऋण योजना की जानकारी मिली।

श्री परिमल को 25.02.2009 को 2,50,000 रुपए का ऋण मिला और 2011 में उनकी एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी हो गई।

श्री परिमल को आरंभ में गोतरी मेडिकल कॉलेज एण्ड अस्पताल, वडोदरा में रु0 4,00,000 वार्षिक की नौकरी मिली। श्री परिमल वर्तमान में स्टर्लिंग बडोदरा में डॉक्टर हैं और उन्हें रु0 45000/- प्रति माह का वेतन प्राप्त हो रहा है। श्री परिमल का परिवार अब खुशहाल है तथा ऋण की वापसी भी कर रहे हैं। वे और उनका परिवार एनबीसीएफडीसी और गुजरात ठाकोर और कोली विकास निगम दोनों के प्रति आभार प्रकट करते हैं।



### Parimal

Shri Parimal S/o Shri Gopalbhai Ramabhai Patel R/o Chimla in Navsari District situated in south Gujarat. Shri Parimal the only son of the family has four elder sisters. All the five studied in government school. The family had meager income and were support by sister of Shri Gopalbhai and her husband when the daughter got admission in P.T. C. College

Shri Parimal cleared SSC with 87% and HSC with 74% which fell short of expectations so he was unable to secure admission in Government Medical College as a last resort he took admission in Self Financing College at S.B..K.S Medical College, Institute & Research Center where fees was very high for family like one of Parimal. Shri Dinesh Bhai a wisher of the family advised them to get in touch with Gujarat Thakor & Koli Vikas Nigam. That is how Shri Parimal got loan under NBCFDC Education Loan Scheme through Gujarat Thakor & Koli Vikas Nigam.

Shri Parimal got a loan of Rs. 2,50,000/- on 25.02.2009 and completed course in 2011.

Shri Parimal, employed in begning with Gotri Medical College & Hospital Vadodara, on annual salary of Rs. 4,00,000/-. Presently he is working as a Doctor in sterling Hospital, Vadodara and getting salary Rs. 45,000/- per month. Sh. Parimal and his family is now pleased and repayment of loan is being paid. Shri Parimal is greatly thankful to both NBCFDC & Gujarat Thakor & Koli Vikas Nigam

### अरुण कुमार

श्री अरुण कुमार पुत्र श्री देशराज, गांव टंगरी, डाकखाना सुराजपुर बारी, तहसील सरकाघाट, जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश की नाई समुदाय के हैं। उनके पिता कस्बा सरकाघाट, जिला मंडी (हि. प्र.) में नाई की दुकान चलाते हैं, वे उनकी पढ़ाई का खर्च वहन करने में सक्षम नहीं थे।

उसके पिता ने बीडीओ कार्यालय सरकाघाट (मंडी) में कॉर्पोरेशन द्वारा आयोजित जागरूकता शिविर में भाग लिया, जिससे उन्हें केवल 4 प्रतिशत की अल्प ब्याज दर पर एचबीसीएफडीसी कांगड़ा से अध्ययन ऋण सुविधा पाने की प्रेरणा मिली जो अन्य वाणिज्यिक बैंकों की भारी ब्याज दरों की तुलना में बहुत कम है।

उन्होंने जुलाई 2010 के दौरान "महर्षि मार्कण्डेश्वर विश्वविद्यालय अम्बाला" हरियाणा से अपने चार वर्षीय बी टेक (सिविल इंजीनियरिंग) पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की योजना के अंतर्गत हिमाचल बी.सी. फाइनैंस एण्ड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन से शिक्षा ऋण का लाभ उठाया है।

उन्हें दिसंबर 2010 में ₹0 4.65 लाख का ऋण मंजूर किया गया था। अरुण कुमार प्रशिक्षु इंजीनियर के रूप में "गबन इण्डिया लि0", थिम्पू, भूटान में ₹0 2.64 लाख वार्षिक पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। लाभार्थी अब भी उक्त संस्थान से पाठ्यक्रम में अध्ययनरत है।

श्री अरुण कुमार बहुत प्रतिभाशाली छात्र हैं। वे एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और एचबीसीएफडीसी के प्रति अत्यंत आभारी हैं उनका कहना है कि निर्धन अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए यह शिक्षा ऋण योजना उत्तम है, जो उनके जीवन में एक निर्णायक मोड़ ला रही है।

वह चाहते हैं कि यह योजना भविष्य में भी चलती रहे जिससे पिछड़े वर्ग के लोगों को अपनी शिक्षा पूर्ण कर स्वावलम्बी बनने का अवसर प्राप्त हो सके।



## Engineering

### Arun Kumar

Mr Arun Kumar S/o Shri Desh Raj Village Tangri PO Surajpur Bari Tehsil Sarkaghat Distt. Mandi HP belongs to Nai community. His father is running a Barber shop in the town Sarkaghat Distt, Mandi (HP), who was not in a position to afford the cost of course.

His father attended the awareness camp organised by the Corporation at BDO Office Sarkaghat (Mandi) which motivated him to avail study loan facility of HBCFDC Kangra at very low rate of interest of just 4% as compared to very exorbitant rates of other commercial banks.

He has availed education loan through Himachal BC Finance and Development corporation under NBCFDC Education Loan Scheme to complete his four year B.Tech.(Civil Engineering) course from Maharishi Markandeshwar University Amabala, Haryana, during July, 2010..

He was sanctioned loan of Rs 4.65 Lac on December, 2010. The said beneficiary is still undergoing the course from the said Institute. Sh. Arun Kumar is servicing as apprentice Engineer with "Gaban India Ltd., Thimpu, Bhutan and getting Rs. 2.64 lakh per annum.

Mr Arun Kumar is very promising student. He is highly thankful to the NBCFDC & HBCFDC for this, a very good educational loan scheme framed for the welfare of the poor OBC people, which is going to be proved the turning point in her life.

He wishes that this scheme should continue for the times to come so that the youth of backward classes can complete his/her higher education and got opportunity of self dependant.

## BDS

### रिनी सोरब स्याल

रिनी सोरब स्याल पुत्री श्री होशियार सिंह, ग्राम एवं डाकखाना पंजावार, तहसील और जिला उना, हिमाचल प्रदेश की निवासी हैं। वह भाटी समुदाय की हैं। उसके पिता होशियारपुर की किसी निजी फैक्टरी में कार्यरत है, जो बीडीएस डिग्री का खर्च उठाने की स्थिति में नहीं थे।

उसके पिता को अपने एक मित्र से पता चला कि हिमाचल सरकार का संगठन अर्थात एचबीसीएफडीसी कांगड़ा द्वारा अन्य वाणिज्यिक बैंकों की बहुत अधिक ब्याज दरों की तुलना में केवल 3.5 प्रतिशत की बहुत कम ब्याज दर पर ऐसी पढ़ाई के पाठ्यक्रमों का निधिकरण किया जाता है इसलिए उसे अपनी बेटी को एचबीसीएफडीसी से इस सुविधा का लाभ उठाने की प्रेरणा मिली।

उसने एनबीसीएफडीसी शिक्षा ऋण के तहत हिमाचल बीसी फाइ. एण्ड डेव. कॉर्पोरेशन के माध्यम से अगस्त 2009 के दौरान ज्ञान सागर शिक्षा संस्थान, जिला पटियाला (पंजाब) से पांच वर्षीय बीडीएस पाठ्यक्रम हेतु ऋण का लाभ उठाया।

उसे मार्च 2011 में 3 लाख रुपए का ऋण मंजूर किया गया है। अब वह कथित संस्थान से अपनी बीडीएस डिग्री की पढ़ाई करने वाली लाभार्थी है।

सुश्री रिनी सोरब स्याल एक प्रतिभाशाली छात्रा है। वह अपने माता पिता के साथ शिक्षा के ऋण का अनुरोध करने के लिए आई थी, क्योंकि उसकी डिग्री के पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए उसके पिता के पास पैसे की बहुत कमी थी। वह सागर डेंटल कॉलेज, राजपुरा से इन्टरनशिप कर रही हैं। 2014 के अन्त तक उनका पाठ्यक्रम पूर्ण हो जाएगा। उनकी हार्दिक इच्छा है कि आने वाले समय में भी यह योजना चालू रहे।



### Rini Sorab Syal

Miss Rini Sorab Syal D/o Shri Hoshiar Singh, VPO Panjavar, Tehsil and Distt. Una, Himachal Pradesh. She belongs to Bhati community. Her father is working in some Private Factory at Hoshiarpur who was not in a position to afford the cost of such BDS degree.

Her father came to know from his friend a Himachal Govt. organisation i.e. HBCFDC Kangra is financing such study courses at very low rate of interest of just 3.50% as compared to very exorbitant rates of other commercial banks. So he prompted his daughter to avail such facility from HBCFDC.

She has availed loan through Himachal BC Finance and Development Corporation under NBCFDC Education Loan Scheme to pursue five years BDS course from Gian Sagar Educational Institutions Distt. Patiala(Punjab), during August 2009.

She has been sanctioned loan of Rs 3 Lac, on March, 2011. She is doing her BDS Degree from the said Institute.

Miss Rini Sorab Syal is a brilliant student. She came along with her parent with a request for education loan because her father was facing acute shortage of funds to complete her Degree course. She is doing internship at Sagar Dental College Rajpura. She has yet to complete her degree by the end of 2014. She wishes that this scheme should continue for the times to come.



### कु0 सपना

म0 प्र0 पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम, भोपाल का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय निगम के माध्यम से दोहरी गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के हितग्राहियों के आर्थिक एवं शैक्षणिक उत्थान हेतु रियायती दर पर ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इसी क्रम में ग्राम उदयपुरा, जिला रायसेन की छात्रा कु0 सपना विश्नोई पुत्री श्री कमल विश्नोई का बी.ए.एम. एस. में चयन हुआ। भारी भरकम फीस हाने के कारण परिवार के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई। आर्थिक कठिनाईयों से जूझती कु0 सपना ने म0प्र0 पिछड़ावर्ग तथा अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम भोपाल से संपर्क किया और एन0बी0सी0एफ0डी0सी0 की शिक्षा ऋण योजना के अन्तर्गत आवेदन किया। कु0 सपना के आवेदन पर निगम द्वारा विचार कर उन्हें कुल राशि रु. 1,30,000/- का शिक्षा ऋण प्रदान किया।

कु0 सपना ने अपनी मेहनत, दृढ़ निश्चय और बुलंद हौसलों के सहारे बी.ए.एम.एस. की परीक्षा अच्छे नंबरों से उत्तीर्ण की साथ ही उन्हें आयुर्वेदिक महाविद्यालय में रोजगार प्राप्त हुआ। वह अच्छी राशि का अर्जन कर रही हैं। कु0 सपना अब आर्थिक विपन्नता को दूर कर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो चुकी है।



## B.A.M.S.

### Ms. Sapna

The main aim of Madhya Pradesh Pichra Varg & Minorities Finance & Development Corporation, Bhopal is to provide concessional loans to the eligible members of Backward Classes living below double poverty line to make them self dependent for their economical & educational upliftment. In the line, Ms. Sapna Bishnoi D/o Shri Kamal Bishnoi R.o Udaipura, Dist Raisen belongs from a poor backward class family of Madhya Pradesh. She had been selected for BAMS course but expensive study was out of reach to this poor family. Struggling with financial crisis, Ms. Sapna applied for loan from MP Backward and Minority Finance and Development Corporation under education loan scheme of NBCFDC. The Madhya Pradesh Backward Classes Finance & Development Corporation sanctioned Rs. 1,30,000/- education loan to Ms Sapna on her application.

With hardwork, determination and courage Ms. Sapna completed BAMS with good marks and got a job at Ayurvedic college. Now she is earning a good amount. Ms Sapna came out of poverty and now she is independent and progressing in life.

## B.H.M.S.

### सुश्री सेजल

कुमारी सेजल पुत्री श्री कांती लाल, निवासी ग्राम: कपोदरा, गिलानी नगर, तहसील: कोरियासाई, जिला: सूरत की निवासी हैं। पान की दुकान चलाने वाले व्यक्ति की बेटी होने के कारण उनके पिता की कमाई बहुत कम थी, किंतु सेजल ने नालंदा विद्यालय से ऊंची उम्मीदों के साथ अपनी 12वीं की पढ़ाई पूरी की, जहां स्कूल के एक ट्रस्टी श्री मनुभाई पी चावड़ा ने अच्छे अंकों के साथ 12वीं कक्षा पास करने पर उसकी पढ़ाई पूरी होने के लिए सहायार्थ निधि प्रदान की। उसे श्री महालक्ष्मी महिला कॉलेज ऑफ होम्योपैथिक एण्ड मेडिकल कॉलेज, वडोदरा में प्रवेश प्राप्त हुआ। एन. बी.सी.एफ.डी.सी. की शिक्षा ऋण योजना के तहत गुजरात ठाकोर और कोली विकास निगम के माध्यम से रु0 3.50 लाख की ऋण राशि वर्ष 2008 में स्वीकृति की गई। ऋण राशि, सेजल के अध्ययन में अत्यन्त सहायक सिद्ध हुई तथा पढ़ाई पूरी करने पर उन्होंने पी0डी0 सरकारी अस्पताल, सूरत में डॉक्टर के रूप में नौकरी की तथा रु0 8,500/- मासिक प्राप्त किया। ऋण की वापसी आरंभ हो चुकी है तथा लाभार्थी द्वारा नियमित रूप से किस्तें अदा की जा रही हैं। अब सेजल व उसका परिवार खुश है एवं एन0बी0सी0एफ0डी0सी0 को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु धन्यवाद देती हैं।

इस ऋण से सेजल को अपनी उम्मीदें पूरी करने में सहायता मिली।

इस ऋण से सेजल को पढ़ाई जारी करने का आत्म विश्वास मिला और उसने 2012 में बी.एच.एम.एस. पूरा किया तथा इस समय प्राणनाथ अस्पताल, वेद रोड, सूरत में सहायक डॉक्टर के तौर पर कार्यरत है और उसे अच्छा वेतन प्राप्त हो रहा है।



### Ms. Sejal

Kumari SEJAL D/o Shri Kantilal resident of Village: Kpodra, Gelani Nagar, Teh: Koreyasai, Surat. Being a daughter of a Pan Shop owner having a meager income but had high ambitions and Sejal passed out of Nalanda Vidyalay where Shri

Manubhai P Chavda trustee of the school gave the benevolent funds for her education after passing XII with good marks. She got admission in Shri Mahalaxmiji Mahila Collage of Homeopathic & Medical College, Vadodara for BHMS. She had sanctioned loan amount of Rs. 3.50 lakh under NBCFDC Education Loan Scheme in the year 2008 through Gujarat Thakor & Koli Vikas Nigam. Loan amount helped Ms. Sejal in her study and after completion of her study she worked in Govt. P.D. Hospital, Surat and getting salary Rs. 8,500 p.m. The recovery of loan has been started and regular installments are paid by the beneficiary. Now she and her family are happy and giving thanks to NBCFDC for its financial support.

The Loan helped Sejal's achieve her ambitions.

The Loan gave confidence to Sejal resolve continue to study and She completed BHMS in 2012 and she is working as Assistant Doctor at Parannaath Hospital, Wed Road Surat and earning quite well.

### कु0 जयंती

कु0 जयंती पुत्री श्री मुनुसेमी निवासी:15, गंगई अम्मान कोइल स्ट्रीट, लासपेट, पुडुचेरी गरीब यादव परिवार की एक प्रतिभाशाली छात्रा हैं, जिनके पिता वेंटर के रूप में कार्यरत हैं और उनके चार भाई हैं जो ऑफिस बॉय के रूप में कार्यरत हैं और वे अपने दो टाईम का भोजन मुश्किल से जुटा पाते हैं।

कु0 जयंती के लिए अपनी शैक्षिक जरूरत पूरी करना बहुत कठिन था। उन्होंने राजीव गांधी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलोजी, पुडुचेरी से मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) के लिए एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शिक्षा ऋण योजना के अंतर्गत पुडुचेरी पिछड़े वर्ग और अल्प संख्यक विकास निगम से ऋण प्राप्त करने हेतु अपना आवेदन प्रस्तुत किया। राज्य निगम द्वारा वर्ष 2008-09 में रु0. 1.60 लाख का ऋण स्वीकृत किया गया। वह तीसरे वर्ष (अंतिम वर्ष) में अध्ययनरत है तथा ऋण राशि के माध्यम से उनका पाठ्यक्रम ठीक से पूरा होने वाला है, तथा अच्छे अंक प्राप्त हुए हैं।

कु0 जयंती एवं उनका परिवार अपने निकट भविष्य के प्रति आशां वित है तथा एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शैक्षिक ऋण योजना को गरीबों के लिए एक अच्छा माध्यम मानते हैं। वह और उनका परिवार सरकार की ऋण योजनाओं में प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं।



### Ms. Jayanthi

Ms. Jayanthi Daughter of Mr. Munusamy, a bright student from a poor Yadav family, whose father is working as a waiter, his four brothers who are working as office boys, could bare make two ends meet.

Ms. Jayanti found it very difficult to meet her educational needs. She submitted her loan application before Puducherry Backward Classes and Minorities Development Corporation under NBCFDC Education Loan Scheme for her Master of Computer Application (M.C.A.) at Rajeev Gandhi College of Engineering & Technology, Puduchery. State Corporation sanctioned an amount of Rs. 1.60 Lakh in the year 2008-09 for the said course. She is now in 3rd year(Final Year). Her course is to be completed soon and she got good marks in her examinations due to the smooth and bother free study.

Ms. Jayanthi and her family is hopeful for bright future and they believe NBCFDC's Education loan scheme is a better and easy mean of upliftment. She and her family members expressed obligation for Government's loan schemes.

## MCA

## MCA

### के शरण्या

सुश्री के. शरण्या पुत्री श्री एम. कृष्णन, विदुथालाई नगर मुदाईअर्पेड, पुडुचेरी के ग्रामनी समुदाय से संबंधित है तथा एन0बी0सी0एफ0डी0सी0 की शैक्षिक ऋण योजना के अन्तर्गत लाभ प्राप्त किया है।

सुश्री के. शरण्या का चयन बी.टेक. पाठ्यक्रम के लिए रिजेंसी इन्सटीट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी, यनम में हुआ था किन्तु उनकी पारिवारिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह अपने अध्ययन को आगे जारी नहीं रख सकती थी। इन्हीं दिनों, उन्होंने एन0बी0सी0एफ0डी0सी0 की शैक्षिक ऋण योजना-सक्षम के बारे में सुना। उन्होंने पुडुचेरी पिछड़े वर्ग और अल्प संख्यक विकास निगम से सम्पर्क किया एवं एन0बी0सी0एफ0डी0सी0 की शैक्षिक ऋण योजना के अन्तर्गत बी0टेक0 की पढाई हेतु अपना ऋण आवेदन जमा किया। उन्हें वर्ष 2008-09 में रु0 1.76 लाख का ऋण स्वीकृत किया गया। लिखे जाने तक वह पाठ्यक्रम के तीसरे वर्ष में थी एवं उन्होंने औसतन 78 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

वह एन0बी0सी0एफ0डी0सी0 द्वारा पिछड़े वर्गों के युवाओं हेतु संचालित शैक्षिक ऋण योजना के प्रति अपना आभार व्यक्त करती हैं और आशा करती हैं कि इस योजना के अन्तर्गत भविष्य में अधिक संख्या में युवाओं को लाभ प्राप्त होगा।

सुश्री के. शरण्या अत्यन्त मेधवी एवं परिश्रमी हैं। ऐसी आशा की जाती है कि वे अध्ययन में अवश्य ही सफलता को प्राप्त करेंगी तथा वह और उनका परिवार जल्द ही गरीबी से मुक्ति पा सकेंगे।

एन0बी0सी0एफ0डी0सी0 सफलता हेतु उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करता है।



### K Saranya

Ms. K Saranya Daughter of Mr. M Krishnan, of Viduthalai Nagar Mudaiarped, Puducherry belongs to Gramani community, avail benefit of NBCFDC's loan scheme for her education.

She selected for B.Tech. Course from Regency Institute of Technology, Yanam but her family condition was not well and she was unable to continue her education. During these days, she heard about the NBCFDC's Education Loan Scheme "Saksham". She contacted from Puducherry Backward Classes and Minorities Development Corporation and applied for loan under NBCFDC's Education Loan Scheme for her B. Tech. She had been sanctioned Rs. 1.76 lakh in the year 2008-09. At the time story writing she was in 3rd year and her average percentage recorded as 78%.

She is very much thankful for the Education Loan Scheme run by NBCFDC for the B.C. youth and she hope this scheme will cover large number of beneficiaries in the future.

Ms. K. Saranya is very intelligent & laborious. It is hopped that she will surely get the success in the study and she alongwith her family will get freedom from poverty.

NBCFDC expressed best wishes for her success.



### कुमारी सुमन

कुमारी सुमन सुपुत्री श्री प्रकाशवीर जाति गुर्जर, 21 वर्षीय निवासी गांव पावटा तह0 व जिला फरीदाबाद की रहने वाली छात्र है। जिन्होंने एम.सी.ए. (कम्प्यूटर साईंस) कोर्स करने के लिए “फरीदाबाद इन्सटीट्यूट ऑफ टेक्नालोजी” में दाखिला लिया। सुमन की परिवारिक मासिक आय 4,000/- रुपये थी। हरियाणा बैकवर्ड क्लासेज़ इकनामिकली वीकर सेक्शन कल्याण निगम से नैशनल बैकवर्ड क्लासेज़ फाईनेन्स एण्ड डेवलपमेन्ट कॉरपोरेशन की उच्च शिक्षा ऋण स्कीम के अर्न्तगत इन्होंने 1,94,475/- का ऋण वर्ष 2008-09 में प्राप्त कर के अपनी उच्च शिक्षा ग्रहण कर ली है। सुमन का परिवार एन. बी.सी.एफ.डी.सी. के प्रति अपनी शिक्षा के लिये आभार व्यक्त करता है।

वर्तमान में यह इन्सटीट्यूट ऑफ टेक्नालोजी, फरीदाबाद में रु0 15,000/- मासिक की दर से अध्यापन कार्य कर रही हैं तथा अब इनकी पारिवारिक मासिक आय रु0 20,000/- हो गई है व ऋण वसूली के रूप में रु0 49,500/- का भुगतान किया जा चुका है। वह और उनका परिवार खुश हैं।



## MCA

### Kumari Suman

Kumari Suman D/o Shri Prakashveer, caste Gurjur, R/o Pawta, Dist. Faridabad. Ms. Suman belongs to a backward class family of Haryana. She had been selected

for a MCA course. She found it difficult to pursue the course as her family monthly income was merely Rs. 4,000/-. She applied for an education loan under NBCFDC scheme and got a loan of Rs. 1,94,475/- in 2008-09 from Haryana Backward Class Economically Weaker Section Kalyan Nigam. Ms. Suman's family express their deep gratitude towards NBCFDC.

She is teaching in Institute of Technology, Faridabad and earning Rs. 15,000/- per month. Now her monthly family income raised to 20,000/- per month and she has repaid Rs. 49,500/- towards loan installment till date. Now she and her family is happy.

## MCA

### विकास कुमार

श्री विकास कुमार, पुत्र श्री रमेश चंद्र, ग्राम व डाकखाना रक्कर, तहसील रक्कर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, कुम्हार समुदाय के हैं। उनके पिता अपने पैतृक गांव में मिठाई की छोटी सी दुकान चलाते हैं। वे बहुत गरीब परिवार के हैं।

विकास के पिता को अखबार से पता चला कि सरकार के एक संगठन अर्थात एचबीसीएफडीसी द्वारा अन्य वाणिज्यिक बैंकों की बहुत अधिक ब्याज दरों की तुलना में केवल 4 प्रतिशत की बहुत कम ब्याज दर पर ऐसी पढ़ाई के पाठ्यक्रमों का निधिकरण किया जाता है इसलिए उन्होंने अपने बेटे के लिए एचबीसीएफडीसी से ऋण की सुविधा पाने के लिए संपर्क किया।

श्री विकास ने सितंबर 2008 के दौरान “डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर एण्ड टेक्नोलॉजी”, जालंधर (पंजाब) से अपने तीन वर्षीय एमसीए पाठ्यक्रम के लिए एचबीसीएफडीसी के माध्यम से एनबीसीएफडीसी योजना के तहत शिक्षा का ऋण प्राप्त किया। उन्हें मार्च 2010 में 3 लाख रुपए की राशि मंजूर की गई थी। श्री विकास ने मार्च 2012 में कथित संस्थान से अपनी डिग्री सफलता पूर्वक पूरी की है और वे एक अच्छी नौकरी कर रहे हैं। वे 3 लाख रुपए प्रतिवर्ष कमा रहे हैं। वे जालंधर में किसी प्रतिष्ठित कंपनी में कार्यरत हैं।

श्री विकास कुमार नियमित, समयबद्ध और सही तरीके से अपने ऋण का भुगतान करते हैं। वे चाहते हैं कि यह योजना भविष्य में भी जारी रहे ताकि अन्य लोग भी इस योजना का लाभ उठा सकें।



### Vikas Kumar

Mr Vikas Kumar s/o Shri Ramesh Chand VPO Rakkar Tehsil Rakkar Distt.Kangra HP belongs to Kumhar community. His father runs a small sweet shop in native village. Hew belongs to a very poor family.

Vikas's father came to know from the News Paper that one organisation of the Govt. i.e. HBCFDC Kangra is financing such study courses at very low rate of interest of just 4% as compared to very high rates of other commercial banks. So he approached HBCFDC with his son Vikas for availing loan.

Shri Vikas availed education loan under NBCFDC Scheme through HBCFDC for his three year MCA course from DAV Institute of Engineering & Technology, Jalandhar (Punjab), during September, 2008. He was sanctioned loan of Rs 3 Lac, on March, 2010. Shri Vikas has successfully completed his degree from the said Institute in March 2012 and is well employed. He is earning over 3 lakh per annum. He is working with some reputed Company at Jalandhar.

Mr Vikash Kumar is regular, prompt and punctual in his repayment. He wishes that this scheme should continue for the times to come so that other also able to reap rich reward of the Scheme.

### विशाल चौधरी

श्री विशाल चौधरी पुत्र श्री सुभाष चंद्र, गांव जोगी पुर, डाकखाना कचियारी, तहसील और जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश के घिरथ समुदाय से संबंधित हैं। उनके पिता मधुमक्खी पालक हैं। उनके परिवार में मुश्किल से भोजन जुटाया जाता था।

विशाल के पिता को पड़ोसियों से पता लगा कि हिमाचल बैकवर्ड क्लासेज फाइनंस एण्ड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एचबीसीएफडीसी), कांगड़ा द्वारा अन्य पिछड़े वर्गों के निर्धन सदस्यों को केवल 4 प्रतिशत की कम ब्याज दर पर शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

उन्होंने अगस्त 2007 के दौरान “बल्ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट”, विशाखापट्टनम से अपने बेटे के दो वर्षीय एमबीए पाठ्यक्रम के लिए एनबीसीएफडीसी ऋण योजना के तहत एचबीसीएफडीसी से ऋण लिया।

श्री विशाल को 11.12.2007 को 2.50 लाख रुपए के ऋण की मंजूरी की गई और उन्होंने उक्त संस्थान से अपनी एमबीए डिग्री सफलता पूर्वक पूर्ण की।

श्री विशाल चौधरी व्यवहारकुशल एवं प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं और हमेशा जरूरत मंदों को अपनी सेवाएं देने के लिए तैयार रहते हैं। वर्तमान में वे “मेसर्स टीवीएस इंफो-टेक” चेन्नई में आकर्षक पैकेज रु0 6 लाख में कार्यरत हैं और वे इस समय कुवैत में सेवारत हैं। उनके द्वारा लिए गए ऋण का पुनर्भुगतान 5000 रुपए प्रतिमाह की नियमित किस्त द्वारा दिया जाता है। वे अन्य पिछड़े वर्ग समुदाय के छात्रों के आर्थिक और शैक्षिक उन्नयन हेतु बनाई गई इस उत्तम शिक्षा ऋण योजना के लिए एनबीसीएफडीसी और एचबीसीएफडीसी के अत्यंत आभारी हैं, जो उनके जीवन के लिए निर्णायक सिद्ध हुई।

वे आशा करते हैं कि यह योजना भविष्य में भी जारी रहेगी।



## MBA

### Vishal Chaudhary

Mr Vishal Chaudhary s/o Shri Subhash Chand Village Jogipur PO Kachhiari Tehsil and Distt. Kangra HP belongs to Ghirth community. His father is a Bee-Keeper. The family was barely able to make square meal.

Vishal's father came to know his neighbours that. HBCFDC Kangra is finances poor Members of OBC Community for Education loan at very low rate of interest of just 4%.

He impressed upon his son to take a from the HBCFDC under NBCFDC loan Scheme for his two year MBA course from Balla Institute of Technology & Management Vishakhapatnam, during August 2007.

Shri Vishal was sanctioned loan of Rs2.50 Lac, on 11-12-2007 and he successfully completed his Master degree from the said Institute.

Mr Vishal Chaudhary is much behaved & gentle man and always ready to render his services to the needy. At present, he is working with handsome package at M/S TVS Info-tack HO Chennai, and now serving in Kuwait. Repaying the loan so availed by him by regular paying instatement @ Rs5000 pm. He is very much obliged to the NBCFDC & HBCFDC for this, a very good educational loan scheme framed for the economic & education uplift-ment of the students of OBC community, which proved to be the turning point in his life.

He wishes that this scheme should continue for the times to come.

## B. Tech

### आर. जयदाना लक्ष्मी

सुश्री आर. जयदाना लक्ष्मी, पुत्री श्री राजा कुमार, निर्धन कन्नड़ सचितो परिवार की एक प्रतिभाशाली छात्रा हैं, उनके पिता एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं।

उन्होंने स्थानीय इंजीनियरिंग कॉलेज, पुडुचेरी से इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल्स विषय में बी.टेक. के लिए एन.बी.सी. एफ.डी.सी. शिक्षा ऋण योजना के तहत पुडुचेरी पिछड़े वर्ग और अल्प संख्यक विकास निगम से ऋण का लाभ उठाया तथा 4 वर्षीय पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश प्राप्त किया तथा वे अन्तिम वर्ष में अध्ययनरत हैं। उन्हें वर्ष 2009-10 में रु0 1,98,000/- का ऋण प्राप्त हुआ तथा उन्हें ऋण के माध्यम से अपना कैरियर बनाने में सफलता मिली और उन्हें 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त हुए।

वह और उनका परिवार भविष्य के प्रति आशान्वित हैं तथा आशा है कि पाठ्यक्रम पूर्ण होते ही रोजगार मिल जाएगा और वह और उनका परिवार अपना जीवन-यापन आसानी से कर सकेंगे।

एनबीसीएफडीसी भी उनके सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है और आशा करता है कि उनके व उनके परिवार से गरीबी का अंधकार सदैव-सदैव के लिए दूर हो।



### R. Jayadana Lakshmi

Ms. R. Jayadana Lakshmi Daughter of Mr. Raja Kumar, a bright student from a poor Kanada Sachito family, whose father is doing a job in a Private Company.

She availed benefit of loan scheme from Puducherry Backward Classes and Minorities Development Corporation under NBCFDC Education Loan Scheme- "Akanksha" for her B. Tech. (Electronics and Electrical) at a local Engineering College, Puduchery and studing in the Final year. She sanctioned loan amount Rs. 1,98,000 in the year 2009-10 and she is becoming successful in making the carrier through Loan assistance received under NBCFDC's Educational Loan Scheme and she got 75% marks in the Examination.

She and her family is hopeful for bright future and will get better employment once when the course is completed and she & her family will live their livelihood happily & easily.

NBCFDC wish for her bright future and hope darkness of poverty will be removed forever.



### एन० जय देव

श्री एन. जयदेव, पुत्र एन. कृष्णा निवासी 4-365/71, घास मण्डी, सिकन्दराबाद निवासी है तथा पिछड़े वर्ग के अन्तर्गत आने वाली मुदिराज जाति के हैं। श्री एन. जयदेव का चयन बी.टेक. हेतु हुआ था तथा उन्होंने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम (एन.बी.सी.एफ.डी.सी.) की शैक्षिक ऋण योजना के अन्तर्गत आन्ध्र प्रदेश सहकारी पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम से ऋण सहायता प्राप्त कर अपने पाठ्यक्रम को पूरा किया।

आन्ध्र प्रदेश सहकारी पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम द्वारा रु. 1,70,100 की ऋण राशि माह मार्च, 2002 में स्वीकृत की गई। पाठ्यक्रम पूर्ण करने में ऋण राशि ने बड़ी अहम भूमिका अदा की। श्री एन. जयदेव का मानना है कि यदि उन्हें यह ऋण राशि प्राप्त न होती तो उनके लिए बी.टेक. का पाठ्यक्रम पूरा करना संभव न होता।

श्री एन. जयदेव ने सफलतापूर्वक अपना पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया है तथा यह सूचित किया गया है कि लाभार्थी नागार्जुन फर्टीलाइजर प्रा. लि. हैदराबाद में कार्यरत है तथा उसे 20,000 रुपये मासिक वेतन प्राप्त हो रहा है।

श्री जयदेव नियमित रूप से ऋण की किस्तों की अदायगी कर रहे हैं। वह और उनका परिवार प्रसन्न हैं तथा घर में खुशहाली है।



### N. Jai Dev

Sh. N. Jai Dev S/o Sh. N. Krishna resident of Gasmandi, Secundrabad and belongs from 'Mudiraj' a backward caste. Sh. N. Jai Dev selected for B.Tech. and completed his education by obtaining loan assistance under NBCFDC Education Loan Scheme provided through Andhra Pradesh Backward Classes Co-operative Finance Corporation.

Andhra Pradesh Backward Classes Co-operative Finance Corporation sanctioned loan amount of Rs. 1,70,100 in the month of March, 2002. The loan assistance played a very important role in completion of study. Sh. N. Jai Dev believed "It was not possible to complete the B.Tech. course, if the loan assistance was not granted".

Sh. N. Jai Dev has completed his course successfully and it is informed that beneficiary is working with Nagarjun Fertilizer Pvt. Ltd., Hyderabad and getting Rs. 20,000 per month as a salary.

Sh. N. Jai Dev is regular in repayment of his loan installments. He and his family is now pleased and there is prosperity in the home.

## B.Tech

## B.Tech

### अंजु डोगरा

सुश्री अंजु डोगरा पुत्री स्व. श्री मुलक राज ग्राम व पोस्ट सारोत्री, तहसील बारोह, जिला कांगड़ा, घिरथ समुदाय की है। वे बेसहारा थी और उन्हें सहायता की बहुत ज़रूरत थी। उनकी मां इस स्थिति में नहीं थी कि उनके बैचलर टेक्नोलॉजी (इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बी टेक) के चार वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम का खर्च उठा सकें।

सुश्री अंजु की मां को गांव के सरपंच ने बताया एचबीसीएफडीसी कांगड़ा द्वारा केवल 4 प्रतिशत की अल्प ब्याज दर पर एचबीसीएफडीसी कांगड़ा से अध्ययन ऋण सुविधा दी जाती है जो अन्य वाणिज्यिक बैंकों की भारी ब्याज दरों की तुलना में बहुत कम है। अतः उसे अपनी पुत्री को हिमाचल बैंकवर्ड क्लासेज फाइनेंस एण्ड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एचबीसीएफडीसी), से सुविधा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन मिला।

सुश्री अंजु को अक्टूबर 2008 में "सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग", जालंधर से बी.टेक. डिग्री हेतु 1.80 लाख रुपए का ऋण हिमाचल बैंकवर्ड क्लासेज फाइनेंस एण्ड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एचबीसीएफडीसी) द्वारा मंजूर किया गया।

सुश्री अंजु का सहयोग के लिए निगमों के प्रति अत्यंत सकारात्मक दृष्टिकोण है और अब उन्हें अपने जीवन का लक्ष्य पूरा करने के लिए सही समय पर मिली सहायता के लिए कृतज्ञता का अनुभव करती है। वर्तमान में वे दिल्ली के आईटी क्षेत्र की किसी प्रतिष्ठित फर्म में आकर्षक वेतन पर कार्यरत हैं और 3500 रुपए प्रतिमाह की दर पर नियमित किस्त द्वारा इस ऋण का पुनर्भुगतान कर रही हैं।



### Anju Dogra

Miss Anju Dogra d/o Late Mulak Raj VPO Sarotri Tehsil Baroh, Distt Kangra belongs to Ghirth community. The aspirant was helpless & was in great need of the assistance. Her mother was not in a position to afford the cost of B. Tech degree a four degree course of Bachelor in Technology (B Tech in Electronics & communication engineering)

Miss Anju's mother was told by the village Sarpanch that a Govt. i.e. HBCFDC Kangra is financing such study courses at very low rate of interest of just 4% as compared to very exorbitant rates of other commercial banks. So she prompted by her daughter to avail such facility from HBCFDC.

Miss Anju was sanctioned loan of Rs 1.80 lac, on October, 2008 to pursue B. Tech Degree from City Institute of Engineering Jalandhar.

Miss Anju has developed very positive attitude toward the Corporations & shows a sense of gratitude for this timely assistance to achieve her aim of life. At present, she is working with handsome package at some reputed firm of IT sector at Delhi and repaying the loan so availed by her by regular instatement @ Rs3500 pm.

### श्री अनोज कुमार

श्री अनोज कुमार पुत्र श्री रामस्वरूप ग्राम एवं पोस्ट: मरांची, विकास खण्ड: पुनपुन, जिला: पटना, बिहार के निवासी हैं। वह पिछड़े वर्ग की कुरमी (महतो) जाति के हैं। उनकी पारिवारिक आय मात्र ₹ 35,000 वार्षिक थी। उनका चयन डॉ० एम.जी.आर. एजुकेशनल एण्ड रिसर्च इन्सटीट्यूट, मदुरावोयल, चैन्नई में बी.टेक. हेतु हुआ था। उन्होंने एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की उच्च शिक्षा योजना के अर्न्तगत दिनांक 21.10.2003 को आवेदन किया तथा उन्हें ₹ 2,17,617 के ऋण की स्वीकृत बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम द्वारा प्रदान की गई।

उन्होंने सफलतापूर्वक अपना बी.टेक. का पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया है तथा राजस्थान एटोमिक पॉवर स्टेशन, कोटा, राजस्थान (न्यूक्लियर पॉवर कॉरपोरेशन, भारत सरकार के अधीन) में "साइंटिफिक अधिकारी-सी" के रूप में कार्यरत हैं तथा उन्हें वेतन के रूप में अच्छा पैकेज प्राप्त हो रहा है।

उन्होंने वर्ष 2011 में समस्त ऋण राशि की वापसी कर दी है।

अब वे और उनका परिवार एक आसान जीवन यापन कर रहे हैं तथा उनके परिवार में समृद्धि एवं खुशहाली है। वह एन.बी.सी.एफ. डी.सी. एवं बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम को हार्दिक धन्यवाद देते हैं। उन्होंने यह व्यक्त किया कि वे निगमों की सहायता के बिना इन ऊँचाईयों को प्राप्त नहीं कर सकते थे।



## B.Tech

### Sh. Anoj Kumar

Sh. Anoj Kumar S/o Sh. Ramswoop Singh is resident of Village & Post: Mbranchi, Block: Punpun, Distt. Patna, Bihar. He is a member of Kurmi (Mahto) caste under backward classes. His family income was only 35,000 annually. He was selected for B.Tech. from Dr. M.G.R. Educational & Research Institute, Maduravoyal, Chennai. He had applied for higher education loan under NBCFDC on 21.10.2003 and sanctioned an amount of Rs. 2,17,613.

He has completed his B.Tech. successfully and working with Rajasthan Atomic Power Station, Kota, Rajasthan (under Nuclear Power Corporation, Govt. of India) as a "Scientific Officer-C" and getting a good package of salary and getting a good salary.

He has repaid whole loan amount in the year 2011.

Now his family life is very smooth and there is prosperity and happiness in the family. He expressed heartily thanks to NBCFDC and Bihar State Backward Classes Finance & Development Corporation. He also added that we could not get this height without support of Corporations.

## B.Tech

### श्री संतोष पोट्टर

श्री संतोष पोट्टर पुत्र श्री जयप्रकाश ग्राम एवं पोस्ट: गढ़पुरा, जिला: बेगूसराय, बिहार के निवासी हैं। वह पिछड़े वर्ग की बनिया जाति से हैं। उनकी पारिवारिक आय मात्र ₹ 30,000 वार्षिक थी। उन्होंने बी.टेक. (डेयरी टेक्नॉलोजी) पाठ्यक्रम हेतु ऋण के लिए आवेदन दिया तथा वे पश्चिम बंगाल की यूनीवर्सिटी "एनीमल एण्ड फिशरी साइन्सेज़" नाडिया, पश्चिम बंगाल में पढ़ाई कर रहे थे। उन्हें वर्ष 2003 में ₹ 2,32,676 की ऋण राशि बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शैक्षिक ऋण योजना "आकांक्षा" के अंतर्गत प्रदान की गई।

उन्होंने अपना बी.टेक. (डेयरी टेक्नॉलोजी) का पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है एवं अमूल डेरी प्रोजेक्ट, मेहसिना, गुजरात में "एक्जीक्यूटिव" के रूप में कार्यरत हैं तथा एक अच्छी तनखाह प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने ऋण राशि का ₹ 1,05,000 की पुर्न अदायगी कर दी है।

अब वे और उनके परिवार के सदस्य प्रसन्न हैं एवं उनका जीवन आसानी से गुजर रहा है। वे एन.बी.सी.एफ.डी.सी. एवं बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम को हार्दिक धन्यवाद देते हैं।

अब वे और उनका परिवार एक आसान जीवन यापन कर रहे हैं तथा उनके परिवार में समृद्धि एवं खुशहाली है। वह एन.बी.सी.एफ. डी.सी. एवं बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम को हार्दिक धन्यवाद देते हैं।



### Sh. Santosh Poddar

Sh. Santosh Poddar S/o Sh. Jayprakash resident of Village & Post: Garhpura, Distt. Begusarai, Bihar. He is a member of 'Bania' caste under backward classes. His family income was only 30,000

annually. He applied for loan for the course of B.Tech. (Dairy Technology) and he studied in West Bengal University of Animal and Fishery Sciences, Nadia, West Bengal. He was disbursed an amount of Rs. 2,32,676 in the year 2003 by Bihar State Backward Classes Finance & Development Corporation under NBCFDC Education Loan Scheme 'Akankasha'.

He has completed his B.Tech. successfully and working with Amul Dairy Project, Mehsana, Gujarat as a "Executive" and getting a handsome salary.

He has repaid Rs. 1,05,000 of loan amount.

Now he and his family members are please and life is very smooth. He & his family members expressed gratitude to NBCFDC and Bihar State Backward Classes Finance & Development Corporation.



### मइयाभाई धीरुभाई उखरेडा

मइयाभाई पुत्र श्री धीरुभाई उखरेडा निवासी गांव : गुंडा, तहसील : रनपुर, जिला: अहमदाबाद में रहते हैं, जिनके पिता एक ट्रैक्टर ड्राइवर हैं और उन्हें खेती के मौसम में पांच हजार रुपए प्रति माह की कमाई होती है और वे अपने परिवार के चार सदस्यों का भरण-पोषण करते हैं किंतु उन्हें अपने बेटे को पढ़ाने की इच्छा थी।

मइयाभाई को धर्म सिंह देसाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नाडियाद में बी०फार्मा हेतु दाखिला मिला। इन्हें जनवरी 2009 में ₹0 2.44 लाख के ऋण की स्वीकृति बी०फार्मा कोर्स के अध्ययन हेतु गुजरात ठाकोर और कोली विकास निगम के माध्यम से एन०बी०सी०एफ०डी०सी० की शैक्षिक ऋण योजना के अन्तर्गत प्रदान की गई।

श्री मइयाभाई 2012 में फार्मसी में बैचलर डिग्री पूरी की और अब वे डी.. पी. सावनी हार्ट इंस्टीट्यूट, सूरत में कार्यरत हैं और ₹0 9000 मासिक का वेतन प्राप्त कर रहे हैं। एन०बी०सी०एफ०डी०सी० की ऋण सहायता से लाभार्थी स्वावलंबी बना है तथा वह और उसका परिवार खुश हैं। परिवार के समस्त सदस्यों ने एन०बी०सी०एफ०डी०सी० की रोजगार-परक योजनाओं हेतु आभार व्यक्त किया।



### Maiabhai Dhirubhai Ukhreda

MAIABHAI S/o of Dhirubhai Ukhreda R/o Village: Gunda Tal: Ranpur, Districk RANAPUR, District Ahmedabad whose father used to be a Tractor driver earning Rs. 5000/- during farming season and had to support four member family but had ambition to educate his son.

He got assistance admission in DHARAMSINH DESAI INSTITUTE OF TECHNOLOGY, NADIAD. In the month of January, 2009 he had sanctioned loan of Rs. 2.44 lakh for B.Pharm Course through Gujarat Thakor & Koli Vikas Nigam under NBCFDC education loan scheme.

Shiri Maiabhai did his Bachelor of PHARMACY in 2012 and is working with D. P. Savani Heart Institute Surat and earning is Rs. 9000/- per month. The beneficiary has got success to become a self dependent and he & his family are pleased. Beneficiary and all members of his family acknowledged NBCFDC's employment oriented schemes.

## PHARMACY

## PHARMACY

### राजेश कुमार

श्री राजेश कुमार पुत्र श्री होशियार सिंह, गांव कठियारा, पीओ गुगा सालोह, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हि. प्र., घिरथ समुदाय से हैं। उनके पिता छोटे से किसान हैं जो उपरोक्त डिग्री का खर्च पूरा नहीं कर सकते।

श्री राजेश कुमार के पिता को पड़ोसियों से पता लगा कि एक सरकारी संगठन अर्थात् एचबीसीएफडीसी कांगड़ा द्वारा केवल 4 प्रतिशत की अल्प ब्याज दर पर एचबीसीएफडीसी कांगड़ा से अध्ययन ऋण सुविधा दी जाती है जो अन्य वाणिज्यिक बैंकों की भारी ब्याज दरों की तुलना में बहुत कम है। अतः उसे अपने पड़ोसियों से एचबीसीएफडीसी से सुविधा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन मिला।

श्री राजेश कुमार ने सितंबर 2009 के दौरान एलआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, सोलन, हिमाचल से फार्मसी में अपने चार वर्षीय बैचलर पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए एनबीसीएफडीसी शिक्षा ऋण योजना के तहत एचबीसीएफडीसी से शिक्षा ऋण का लाभ उठाया।

उन्हें नवंबर 2009 में 3.95 लाख रुपए का ऋण मंजूर किया गया था। लाभार्थी कथित संस्थान से अपनी डिग्री में अध्ययनरत है।

श्री राजेश कुमार एक दक्ष और अच्छे व्यवहार वाले युवा हैं। वे अभी डिग्री के चौथे वर्ष में अध्ययनरत हैं और उन्हें आशा है कि वे अपना पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद जल्दी से जल्दी इसका पुनर्भुगतान आरंभ कर देंगे।

उन्हें इसके लिए एनबीसीएफडीसी और एचबीसीएफडीसी के प्रति बहुत आभार महसूस होता है कि अन्य पिछड़े वर्गों के छात्रों के आर्थिक तथा शैक्षिक उन्नयन के लिए इतनी अच्छी शिक्षा ऋण योजना बनाई गई है, जो उनके जीवन का निर्णायक बिंदु सिद्ध हुई।



### Rajesh Kumar

Mr Rajesh Kumar s/o Shri Hoshiar Singh Vill. Kathiara PO Guga Saloh Tehsil Palampur Distt .Kangra HP, He belongs to Ghirth community. His father a small agriculturist who was not in a position to afford the cost of above degree.

The father of Shri Rajesh Kumar came to know from his neighbours that one organisation of the Govt. i.e. HBCFDC Kangra is financing such study courses at very low rate of interest of just 4% as compared to very exorbitant rates of other commercial banks. So he was prompted by his neighbours to avail such facility from HBCFDC.

Shri Rajesh Kumar has availed education loan from HBCFDC under NBCFDC Education Loan Scheme to complete his four degree course of Bachelor in Pharmacy from LR Group of Institutes Solan Himachal, during September 2009.

He was sanctioned loan of Rs3.95 Lac, on November 2009. The said beneficiary is continuing his degree from the said Institute.

Mr Rajesh Kumar is an efficient person & having good behaviour. He is still undergoing degree course in 4th year and hopefully will start repaying recovery at the earliest after the completion of the course.

He is very much obliged to the NBCFDC & HBCFDC for this, a very good educational loan scheme framed for the economic & education upliftment of the students of OBC community, which proved to be the turning point in his life. .



## निशान्थनी आर

“12 वीं उत्तीर्ण करने के बाद मैंने देखा कि मेरे पिता जो पेशे से मछुआरे हैं, उनकी वार्षिक आमदनी 26,000/- है। हम अति पिछड़ा वर्ग से हैं। मैं उच्च शिक्षा के लिये प्रयास कर रही थी। बारवीं कक्षा में प्राप्त अंको के प्रतिशत की मदद से मुझे “श्री मानाकुला विरायागर नर्सिंग कॉलेज” में बी.एस.सी. नर्सिंग में मुख्य स्थान मिला। हमें एक पिछड़ा वर्ग कार्यालय की जानकारी मिली, और शिक्षा ऋण के उद्देश्य से मैं इस निगम में आयी। यहाँ के कर्मचारी बेहद सहयोगी हैं, जिन्होंने ऋण प्राप्ति के लिये सभी नीतियों, प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वह मेरे लिये बहुत सहायक हुए, और जब भी शुल्क एवं ऋण के लिये मेरे मन में संदेह हुआ पिछड़ा वर्ग निगम के कर्मचारी एवं प्रबंधक ने हमेशा इसे दूर किया। मैं उन सबकी आभारी हूँ जिन्होंने मेरे पूरे बी.एस.सी. नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिये ऋण प्राप्त करने में मदद की। मुख्य रूप से निगम की मदद से मैं अपनी आगे की पढ़ाई पूरी कर पायी और मेरे जीवन स्तर में वृद्धि हुई। यह मेरे जैसे प्रत्येक छात्र के लिये प्रोत्साहन की तरह है जो गरीबी से जूझ रहे हैं।”

निशान्थनी आर. और उसका परिवार अब खुश हैं। उसे अच्छा रोजगार प्राप्त हुआ है जिससे उनके परिवार की माली हालत अब बहुत अच्छी हो गयी है।



## Nishanthini.R

**Miss Nishanthini.R D/o of K. Raman.**

“As soon as I completed my 12th std. My father is a fisher man so our income per annum is Rs. 26,000/-. We are under most Backward Classes Community. I was struggling to do further higher studies. With the help of my percentage I got central seat for B.Sc. Nursing in Sri Manakula Virayagar Nursing College. We got an information about this BC corporation office. And I came to this corporation for the purpose of getting educational loan. Here the staff were very co-operative and they explained details about the policies, rules and procedures for getting the loan. It was very much helpful for me and whenever I had doubt regarding fees and loan BC office staff and managing director were always ready to clear. I would like to thank them all for providing educational loan throughout my entire B.Sc Nursing course. Main advantage is it helps for my further studies and improve the life status. It is the great encouragement for each and every student like me who are suffering from poverty”.

Now Nishanthini.R and her family is happy. She got a good job and her financial position is now well.

## B.Sc. Nursing

## EDUCATION LOAN SCHEME

### OBJECTIVE

To extend education loan to the members of backward classes for pursuing professional or technical education at graduate and higher level.

### ELIGIBILITY

1. Members of Backward Classes, as notified by Central Government/ State Governments from time to time.
2. The annual income of the applicant's family should be below double the poverty line i.e. ₹ 1,03,000/-p.a. in urban areas and ₹ 81,000/-p.a. in rural areas.
3. The applicant should have obtained admission for any professional courses approved by appropriate agency such as AICTE, Medical Council of India, UGC etc.

### COURSES COVERED

All professional and technical courses at graduate and higher level approved by appropriate authority such as AICTE, Medical Council of India, UGC etc.

### PURPOSE OF LOAN

Admission Fee & Tuition Fee; Books; Stationery & other instruments required for the course; examination fee; boarding & lodging expenses, insurance premium for policy during the loan period and travel expense/passage money for studying abroad.

### MAXIMUM LOAN LIMIT

90% of the expenditure of the course subject to maximum loan limit of ₹ 10.00 Lakh per student or ₹ 2.50 Lakh p.a. (for studying within India) & 85% of the expenditure of the course subject to maximum of ₹ 20.00 Lakh per student (for studying abroad), the balance amount of expenditure will be borne by student/SCAs.

### RATE OF INTEREST

- i) From NBCFDC to SCA: 1.5% p.a. \*
- ii) SCA to Beneficiary: 4% p.a. \*\*

\* 0.5% rebate on timely repayment of loan by SCAs

\*\* girl students will get Education Loan at special concessional rate of interest @ 3.5% p.a.

### REPAYMENT PERIOD

The moratorium, besides being co-terminus with the course for which loan has been obtained by the students, will have a further six months period for starting repayment after the completion of the course. Maximum repayment period is 10 years.

### SECURITY & MONITORING OF EDUCATION LOANS

The SCAs would ensure security of loan, tracking of beneficiaries' students and their monitoring during the loan period. The Education Loan Scheme would envisage providing Education Loan to the eligible students pursuing their higher professional courses in approved institutions only. Students seeking admission abroad should ensure the validity of the Foreign University/ Institution and the course from Association of Indian Universities (AIU).







**NBCFDC** provides financial assistance to promote economic and developmental activities for the benefit of Backward Classes living below double the poverty line ( Family income in urban areas Rs. 1,03,000/- and in rural areas Rs. 81,000/- p.a.) at concessional rate of interest through State Channelising Agencies nominated by respective State Govts./UTs.

**Consecutively in 14th year (2013-14), NBCFDC achieved Excellent Results/ Rating in all MOU parameters.**

**TERM LOAN & MARGIN MONEY LOAN SCHEMES:** Maximum loan limit Rs. 10 lakh per beneficiary.

Following special schemes are under Term Loan:

**i) Educational Loan Scheme:** For pursuing professional/technical education at graduate and higher levels. Maximum loan limit is Rs. 10 lakh (within India) & Rs. 20 lakh (abroad). Rate of Interest is 4% boys and 3.5% for girls students.

**ii) New Swarnima:** A special scheme for the BC women. Maximum loan limit Rs. 1 lakh and rate of interest 5% p.a.

**iii) Saksham:** Loan assistance is providing to the youth who have already completed their professional courses for set-up of employment venture. Loan limit is Rs. 10 lakh & rate of Interest is @ 6-8% p.a.

**iv) Shilp Sampada:** The objective of this scheme is to upgrade the technical and entrepreneurial skill of Backward Classes by way of providing training and financial assistance for set-up of self employment ventures in Traditional Craft. Maximum Loan limit is Rs. 10 lakh & rate of Interest @ 6-8% p.a.



#### **MICRO FINANCE SCHEMES**

To cover a large number of beneficiaries loans are provided to SHGs. Maximum amount of loan under this scheme is upto 50,000/- per beneficiary in SHG.

Following special schemes are under Micro Finance Schemes:

**i) Mahila Samridhi Yojna:** A special Scheme for the women of the target group. The Maximum loan limit is Rs. 50,000/- per beneficiary in SHG. Rate of Interest @ 4% p.a.

**ii) Krishi Sampada:** Under the scheme concessional loans are provided to small farmers, vegetable growers for urgent requirement of funds during Rabi & Kharif or any cash crop. The Maximum loan limit is 50,000/- per beneficiary in SHG. Rate of Interest @ 4% p.a.

#### **TRAINING & MARKETING :**

Project linked/ skill upgradation training in various trades are provided to the members of target group free of cost through SCAs/reputed Training Institutes. NBCFDC is also providing marketing assistance to the BC artisans for their products.

Under the NBCFDC Loan Schemes the eligible members interested for obtaining loan may contact the respective State Channelising Agency or officer dealing in Backward Classes at the District level of their State.